रजनीगंधा

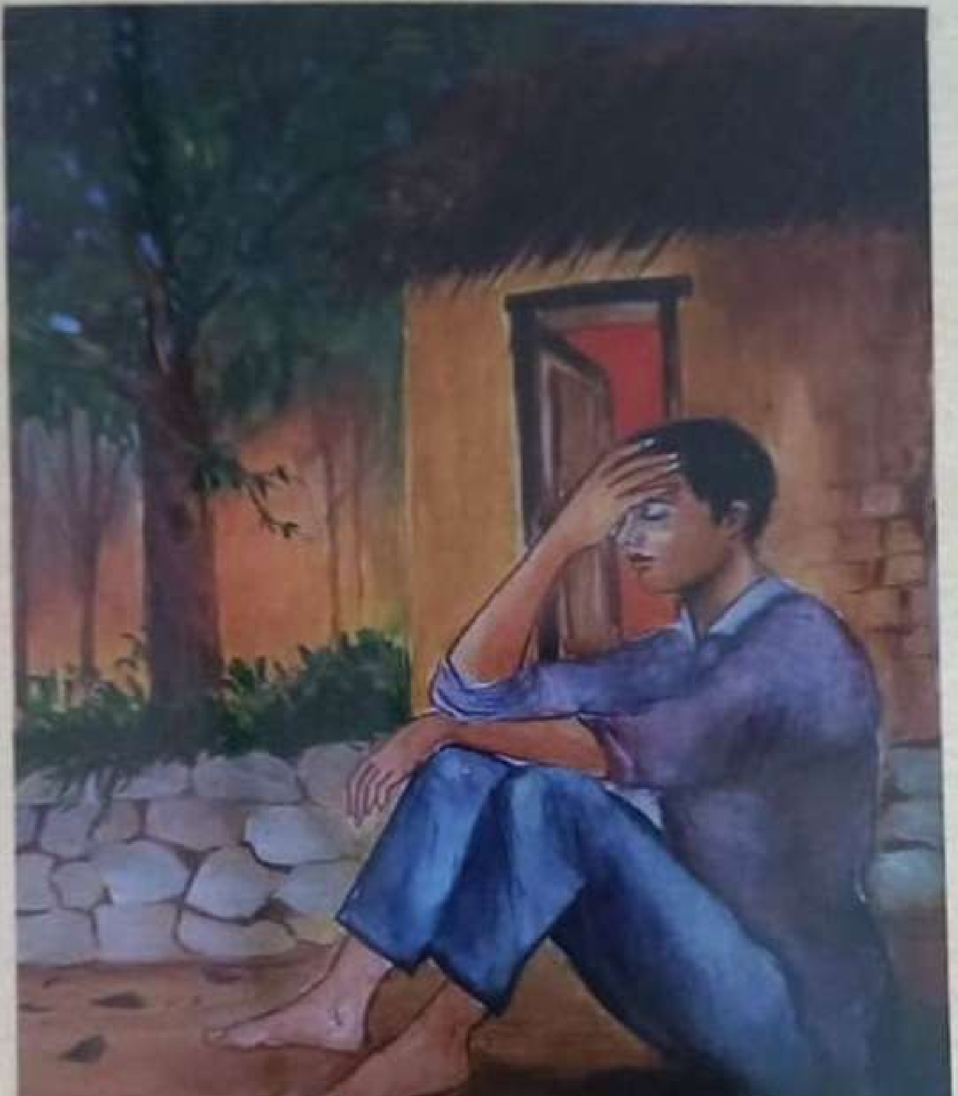

प्रो. (डॉ.) अयोध्या प्रसाद उपाध्याय

रजनीगंधा

प्रो. (डॉ.) अयोध्या प्रसाद उपाध्याय

सृजनलोक प्रकाशन, नई दिल्ली

www.bhojpurisahityangan.com

ISBN : 978-93-92703-41-6

प्रो. (डॉ.) अयोध्या प्रसाद उपाध्याय

प्रथम संस्करण : 2025

प्रकाशक :

सृजनलोक प्रकाशन

B – 1, दुग्गल कॉलोनी, खानपुर, नई दिल्ली –110062

मोबाइल : 7654926060

ईमेल : srijanlok@gmail.com

आवरण चित्र : राजवंज राज

आवरण सज्जा : संतोष श्रेयांस

मुद्रक : बी.क्यू.एस. सर्विसेज, खानपुर नई दिल्ली –62

Rajnigandha (Bhojpur Poetry)
Written By : Prof. (Dr.) Ayodhya Prasad Upadhyay
Published by : Srijanlok Prakashan,
B - 1, Duggal Colony, Khanpur, New Delhi – 110062

₹ 280

www.bhojpurisahityangan.com

अनत फल

लोक-भाषा के रूप में भोजपुरी भाषा के अन्यतम स्थान बा। अब तऽ अंतरराष्ट्रीय भाषा के दर्जा प्राप्त हो गइल बा। भोजपुरी हमार मातृभाषा हऽ, सुख अउरी दुख हऽ। हमार जीवन के गीत आ संगीत हऽ। राग अनुराग हऽ अउरी विराग ह ऽ। हमार जीवन-मरण के गीत आ रीत हऽ। भावाभिव्यक्ति के एगो सशक्त साधन हऽ। लोक-गीत, लोक-संगीत, लोक-कथा, लोक-गाथा आ लोक-संस्कृति के भंडार हऽ।

लोक में अनंत भगवान के कथा प्रचलित बा। भादों महीना के शुक्ल पक्ष चतुर्दशी तिथि के अनंत व्रत करे के विधान बा। ई कथा महाभारत काल से ले के आज तक हो रहल बा। सब केहू ई जानला भगवान विष्णु जी क्षीरसागर में शयन करी ना। अकेले ना लक्ष्मी जी के साथे। एही से विष्णु भगवान के लक्ष्मी नारायण कहल जाला। विष्णु भगवान के अनंत भगवान के रूप में जानल-मानल आ पूजल जाला। अनंत व्रत कथा क्रम में पंडित जी कथा श्रोता लोग से पूछीं ला - ''का खोजत बाड़'' श्रोता लोग कहला - ''अनत फल'' फेरु पंडित जी पूछीं ला - ''पवल ऽ'' - ''हँ पवलीं'' - ''माथे चढ़ाव ऽ''।

हमार एह प्रसंग के कहे के मतलब अनंत भगवान के कथा सुनावल भा बतावल नइखे। एह कथा के सब केहू जानते बा।

हम बहुत दिन से भोजपुरी भाषा में कुछ लिखल चाहत रहीं बाकी लिख ना पावत रहीं। प्रयास कइल कबो ना छोड़लीं। सरस्वती माई के गोहरावते रहि गइनीं। पढ़ले बानीं रसरी के रगड़ से पत्थर पऽ रेघारी बन जाला, आपुस में पत्थर चाहे लकड़ी के रगरइला से आग जाग जाला।ई सभ बात मन में बइठ गइल। अभ्यास करे लगलीं। कलम कागज के चिंता फिकिर छोड़ छाड़ दिहलीं। विचार प्रवाह में बहे लगलीं। एह पऽ भरोसा क के गंभीरता से विचार कइनीं। ओकरा के पचइनीं आ पहचान कइनीं। घबरइलीं ना। उलटा सीधा शब्दन के कागज पऽ लिखत रहलीं। ओकरा के पढ़त रहीं। कतहुँ गलत कतहुँ सही पवलीं। गलत के सुधार दिहलीं आ आगे बढ़त गइलीं, आगे बढ़त गइलीं। तब मन में विचार कइनीं अब तऽ कुछ समय खातिर विराम लगावे के काम बा ना तऽ जइसे भगत लोग क्षीरसागर सागर में भगवान के तब तक खोजत रहि

www.bhojpurisahityangan.com

जाई जब तक पंडित जी सवाल ना पूछीं। ओइसहीं हमहुँ शब्दन के सागर में शब्द ब्रह्म के खोजत रहि जाइब तबहियों पार ना पाइब आ अनत फल पावे से वंचित रहि जाइब।

जइसे पंडित जी भगत लोग के भगवान से मिला देले ओइसहीं हमरो के भोजपुरी भाषा आ साहित्य के विद्वान लोग हमरा के शब्द रूप में अनत भगवान से मिला देले जवना से हम अनत फल पा गइनीं। जवन ''रजनीगंधा'' भोजपुरी काव्य संग्रह के रूप में आपन माथे चढ़ा लिहलीं। आ ओकर प्रसाद के सब भोजपुरी काव्य प्रेमी लोगन में वितरित करत खुशी के अनुभव कइनीं।

एगो बात रउआ सब के सोझा रख देल चाहत बानीं कि ऊ केहू खातिर बोझा मत बन जाय। रजनीगंधा एगो फूल हऽ आ रजनी गंधा एगो जर्दो हऽ। एह काव्य संग्रह में एक सै पच्चीस गो कविता बा। ओही में से ''रजनीगंधा'' बा। ई फूल ना शूल हऽ। जिनगी बर्बाद करे के एगो साधन हऽ। जेकरा चक्कर में पड़ के अधिकांश नवयुवक आपन जीवन बर्बाद कर रहल बाड़े।

आपन बात समाप्त करत ई कहत बानीं कवनो जरुरी नइखे कि पंडित जी के कहला पऽ भगत लोग अनत फल के आपन आपन माथे चढ़ा ले ला, ओइसहीं पाठक गण हमरा कहे से एह कवितन के माथे से लगइबे करे, हो सकत बा ओकरा के कुचलियो देबे।

खैर कवनो बात नइखे। सब केहू के मन मिजाज तरह तरह के होला। हमरा में जतना हुनर रहे ओह तरह के रसोई बना के परोस देले बानीं। जेकरा रुचि ऊ खाई आ जेकरा ना नीमन लागी कूड़ादान में फेंक दीही।

सब केहू हमरा खातिर बरोबर बा। बाकी पाठक गण से हम निहोरा जरुर करब कि आपन सचेत नजर से कम से कम एको बेर देखे के कोशिश करब जा। हम संपूर्ण भोजपुरी भाषा भाषी, जेकरा से दु गो बात सिखले बानीं, जे हमार मनोबल के बढ़वले बा, हमार जतना बाल बच्चा बाड़े आ टंकक के साथे प्रकाशक के प्रति जिनगी भऽ आभारी रहब।

राउर

अयोध्या

www.bhojpurisahityangan.com

समर्पण

हम आपन पूरा परिवार के तरफ से
नशा के शिकार नवयुवकन के
''रजनीगंधा'' नामक भोजपुरी काव्य-संग्रह
समर्पित क के अत्यंत प्रसन्नता के
अनुभव करत बानीं।

www.bhojpurisahityangan.com

www.bhojpurisahityangan.com

अनुक्रमणिका

क्र.सं. **पृष्ठ सं.**

खेतवा प जइह सईंयाँ	13
ऊख	14
दरपन	15
पेठिया	16
जातिगत जनगणना	17
जासूसी	18
अब बउराइल मनवा	19
साधु	20
मुसीबत में जिनिगी	21
दुखड़ा	22
तुलसी	24
अदिमी से अदिमी	25
सिलवट	26
कवन चीज	27
बाबूजी के ना रहला पऽ	28
सभे बा मरत	30
सगरो अन्हार बा	31
सेनुरा के डिबिया	32
सुनहीं के पड़ी	33
मदिरा पीये के फेर में	35

www.bhojpurisahityangan.com

चदरिया फाटल बा	36
सदा बहार	37
आपन हारल	39
कवनो ठेकाना नइखे	40
दलिद्दर	42
केहु ना कही	43
मन करत बा	44
पितरपख	45
बरजोर घोड़ा	46
बबुआ कबो नाम मत लीहऽ	48
कल्याण हो जाई	49
ढोल झाल	50
महिसासुर	51
पकड़ के गरदन	52
मन लगा के पढ़ीहऽ	53
जवनवा	54
नमन करत बानीं माई	55
साल कतनो बदले	57
रोजी-रोटी	58
साहित्यकार एसी में	59
रजनीगंधा	61
मत जइहऽ सुगनवा	62
लोर भर आइल	63
कइसे कटी जिनगी	64
बेंड़ा पार	65
सोना के बनल केवाड़ी	66
फरियाद करीं जा	67

www.bhojpurisahityangan.com

दिलवो दरक जाला	68
दरबार राम के	69
सदियन के अन्हरिया	70
आसरा लागल रहे	71
फर्श वाला अर्श पऽ	72
समय पहाड़ हऽ	73
एह दुनिया में	75
चरित्रहीन	76
झँपिया से हथिया	77
ईडी सीबीआई	78
भाईचारा	79
भार तोहरा पऽ बा	80
बदलल समइया	81
मेंहदी भइल कचनार	82
संवाद के सिलसिला	83
कजरारे नैना	84
नजर के सब खेल बा	85
नजरिया बदल लऽ	86
केहू फुटहा के मुहताज रहे	87
सिपाही के नौकरी	88
कारु के कड़कड़हट	89
हम गाँव के हईं	90
दुनिया के रीत गजब बा	93
पास ना एको पाई	94
पतिया लिखत बिया	96
हरि ओम् बोल रे मनवा	98
आइल बुढ़ापा	99

www.bhojpurisahityangan.com

गोदिया में नइखे कवनो	100
मत दउड़ रे भाई	101
मोंछ	102
धनरोपनी	103
आदमी	105
हज़्म होखे	106
किसान के गीत	107
पेंसिल से लिख लिख	110
कइसे जाईं दुअरवा	111
ए माई हमहु कथा सुनाइब	112
श्याम से यारी	114
झूठ-साँच के इज्जत	115
खेतवा के ओर	117
रउआ के धन्यवाद	118
हिन्दी भुला गइल	120
दुआरे बरिआत	121
सुतल बाड़े सईंयाँ	122
हम ना जाइब कचहरिया	124
सभे जान गइल	125
बान्हीं के पगरिया	126
एकर गारंटी के लीही	127
जान पहचान बा	128
फुलवरिया में	129
खा के भंगिया के गोला	130
माई के याद करीं जा	131
चूहिया अस लुकाइल बा	132
आइल बाड़ी फुआ	133

www.bhojpurisahityangan.com

ई लोकतंत्र हऽ	134
भगमनिया	135
गोरखधंधा	136
चरवाही	137
रिक्शा हमहुँ चलाइब	138
हैप्पी फादर्स डे	139
कुछ पेंडिंग बा	140
फेसबुक	141
चिरईं	142
ताली	143
बहे पुरवइया	144
पबजी	145
बाबा विश्वनाथ	146
हो गइले पागल	147
मातृदिवस के बहाना बना के	148
जुलुमी पुरवइया	149
नेता	150
तपिश	151
पियवा शराबी	152
केने बाड़ऽ बबुआ	153
जिला ससरावँ	154
बगावत	155
पाती	156
रउआ सम्मान में	157

www.bhojpurisahityangan.com

www.bhojpurisahityangan.com

खेतवा प जइह सईंयाँ

खेतवा पऽ जइह सईंयाँ
गोजी लाठी ले के जइह
भुलइह मत बान्हे के पगरिया

कबो होखी धूप घाम
कबो घेर लीही बदरिया
कबो मिली आर-पगार
कबो मिली चले के डगरिया
भुलइह मत बान्हे के पगरिया

लाठी संघतिया हउवे
करहा-कुरही फाने में बनी मददगरिया
साँढ़ भईसा कुकुर बिलारिया के
करी किनरिया
भुलइह मत बान्हे के पगरिया

गोजी लाठी ले के जइह
हउवे ऊ रहिया के संघतिया
छोड़ के जइह मत ओकरा के सईंयाँ
भुलइह मत बान्हे के पगरिया।

www.bhojpurisahityangan.com

ऊख

एक साल बाबूजी
रोपले रहन बिगहा में ऊख
दवाई डलाइल रहे
तबो दिअँका लागल रहे
बहुते ऊख गइल रहे सूख
साँझी खा बइठल रहीं जा
बाबूजी कहलन
एह साल बुझात बा लागी घाटा
पुर ना परी लेल पाटा
अचानक उठ के घुमे लगलन
ताली बजा-बजा के झूमे लगले
हमरा कुछुओ ना बुझाइल
ई का हो गइल
हमरा से कहले
जवन होला ऊ अच्छा होला
ऊख में कबिली रोपवा देब
गाँज पर जाई
ऊख के घाटा पूरा हो जाई।

www.bhojpurisahityangan.com

दरपन

दरपनवा मोर उदास बा सखियाँ
मनवा लागत नइखे
कहीं केकरा से बतिया
सभे जीअला अपना खातिर
केकरो घरे ना जाला
सभ केहू बड़ुए आपन मन के
मन भइल बा मतवाला

मनवा लागत नइखे सखियाँ
दिनवा पहाड़ भइल बा
समय बीतत बा कइसे
हमरा कुछुओ बुझात नइखे
जब-जब जात बानी दरपन भीरी
लउकत बा चेहरा उदास सखियाँ

मनवा लागत नइखे
दरपनवा मोर उदास बा सखियाँ

www.bhojpurisahityangan.com

पेठिया

बसल बा मोर मनवा सजनी
खेतवा खरिहनिया में
भोरे-भोरे जा के
देखब हम धन कटनी के
काट-काट के धान
पल्हारी पसार पसार के
खेतवा में दुएक दिन तक
हवा में सूखा-सूखा के
बोझा बान्ह-बान्ह के
खेतवा से ढ़ो-ढ़ोके
खरिहनिया में रखल जाई
थोरिके दिन में दवँरी के
तइयारी शुरु हो जाई
खरिहान में बयलन से
दँवरी कइल जाई
कतहुँ धान के कतहुँ पुअरा के
गाँज गाँजल जाई
बैलन के खूर से
धान कचटल जाई
मेंहिया मेंह के तऽ घुमे
पेठिया पैर पऽ
चक्कर लगाई
जतने पेठिया तेज चली
जल्दी धान दँवाई।

www.bhojpurisahityangan.com

जातिगत जनगणना

जाग जाई जब जनता भाई
होखे लागी सरकार के धुनाई
अबहीं त ऊ फउकत बड़ुए
जातिगत गणना कइले बड़ुए
का सही का गलत बड़ुए
एह बात से
बौखलाहट में जनता बड़ुए
जाति आधारित जनगणना से
जनता माँगत अधिकार बा
ऊ दिन अब कहँवा बा दूर
मौका मिलल बा जनता के भरपूर
सरकार बड़ुए मद में चूर
हो जाई सपना ओकर चकनाचूर
जनता बुझलस देर से भाई
सरकार के सामत आई
धीरज धर जनता लोग
बन रहल बा नीमन जोग
केहु सवर्ण के कइसे भुलवाई
ऊहो माँगत बा आपन हिस्सा
हमरो दे दऽ भाई।

www.bhojpurisahityangan.com

जासूसी

बबुआ जिनिगी भर
कइलऽ तू चापलूसी
अब समझावत बाड़ऽ
छोड़ द जा दकियानूसी
दुनिया भर में कहत रहऽ
ना दुहे के बे छनले गाय
अपने तू का करत रहऽ
दुहाई करे खातिर गाय के
मरल बछड़ा के खलड़ी में
भरले रह तू काहे भूसी
अबहिंयो मन मानत नइखे
त गाँव में जहँवा तहँवा
जेकर तेकर करत बाड़ जासूसी।

www.bhojpurisahityangan.com

अब बउराइल मनवा

अब बउराइल बा मनवा
केकरो गुलामी ना करी
करजा कपार चढ़ल
ओकरा उतारे के परी
बूढ़ हो गइले बाबूजी
बूढ़ा गइली मतारी
अकेले बिआ घर में
हमार मेहरारु
केकरा के डाँटी केकरा के बोलीं
केहू के कुछुओ कहब त
हमरा लाग जाई हतेआरी
इहे सब देख सुन के
पगलाइल बा मनवा
अब ऊ केकरो गुलामी ना करी
दिन भर काम करब हम
साँझी के लेब मजूरी
भरपेट खाइब पीअब
मन में करब सबूरी
आई अइसन एक दिन
करजा कपार से उतरी
शांति से कमाइब खाइब
गाँवे रहब ना जाइब बहरी
मनवा अब बउराइल बा
केहू के गुलामी ना करी।

www.bhojpurisahityangan.com

साधु

प्रपंची आडम्बरी
पहिर के घूमे पीतम्बरी
चौड़ा करे त्रिपुंड
लेके बइठे बाघम्बरी
दुनिया भर के करे उपदेश
मन में समाइल बा लोभ
कइसे होखब मठाधीश
एक बार मन में
आइल रहे बने के साधु
फिर सोचे लगनीं
यदि हो जाई कवनो अपराधु
ओह समय हम का करब
कइसे छींटाकशी के सहब
तब होखे लागी मारामारी
हमरा प आई बिपतिया भारी
काहे हम करब अइसन काम
बदनाम होखी बाप दादा के नाम
काहे ना हम घरवे में रहब
प्रेम भाव से राम नाम भजब।

www.bhojpurisahityangan.com

मुसीबत में जिनिगी

मुसीबत में जिनिगी
जब फँस जाला
तब ओकरा के निकाले में
बड़ बड़ किरान
फेल हो जाला
ओकर ओर छोर के
पता ना चल पावला
एक से एक दिमागी
खलिसा एने ओने धावला
जे फँस जाला
ऊ कवनो बेवकूफ ना होखे
सिरिफ समय के ऊ मार खाला
जिनिगी त जिनिगी हऽ
जेकरा के सभे जीअला
बाकी हमार समाज
ओकरा पर हँसला
जेकर जिनिगी
कवनो कारन से फँस जाला।

www.bhojpurisahityangan.com

दुखड़ा

आपन जीवन के दुखड़ा सुनावत बानीं
अँखियन से अझुरा के गँवावत बानीं
ना नइहर छुटल
ना ससुरा छूटल
मोह में फँस के
जिनिगी बीतावत बानीं
आपन जीवन के दुखड़ा सुनावत बानीं

बाल बचवन के फेर में
फेरा लाग गइल
उहे बात सबका के
हम समुझावत बानीं
आपन जीवन के दुखड़ा सुनावत बानीं

देखे में ई रहिया
सुगम लागत बा
एह पर चलला के
दुखवा बतावत बानीं
आपन जीवन के दुखड़ा सुनावत बानीं

बीत गइल जिनिगी
सहते सहते
आस लागल रहल
करते करते
कवनो पूरा ना भइल
जोहते जोहते

www.bhojpurisahityangan.com

अब त अपने से साधत
अदावत बानीं
आपन जीवन के दुखड़ा सुनावत बानीं

ना बदलल जमाना
ना बदलल जमीन
उहे रहि गइल घरवा
अँगनवा के सीन
मन से बदलल चाहत बानीं
तबहिंयों ना हम कुछ
कर पावत बानीं
हो के लाचार हम मछरी जस
छटपट करत बानीं
आपन जीवन के दुखड़ा सुनावत बानीं

कबो केहू से हम सुनले रहीं
प्रेम राहत देला
ना मनलीं अनुशासन परिवार के,
ओढ़ लेनी झमेला
आज उहे हमार जिनिगी के
जंजाल बन गइल
सगरो घूम-घूम के सभका सामने
रोवत गावत बानीं
आपन जीवन के दुखड़ा सुनावत बानीं
अँखियन से अझुरा के गँवावत बानीं।

www.bhojpurisahityangan.com

तुलसी

सोचले बानीं मन में आपन
आँगन में तुलसी लगाइब जी
अमावस होखे चाहे पुनवासी
गंगा मइया में नहाइब जी
भोलेबाबा के किरपा से हम
उनुका पर जल चढ़ाइब जी

रोपेआ पइसा लाता कपड़ा
हाथ से अन्नदान कराइब जी
जवन जवन हमार मन करी
दुनों हाथ से लुटाइब जी

दान करब गइया बछिया के
पोंछ पकड़ के जाइब जी
तबहिंयों हमार संदेह बनल बा
बैतरणी पार ना पाइब जी
पाप के घइला पूरा भरल बा
नइखीं पुन कमाइल जी

कतनो लगाईं तुलसी पीपर
हम कतनो गंगा नहाईं जी
बढ़िया करबऽ बढ़िया पाइब
खा किरिया ना सताइब जी

तब आँगन में तुलसी सोभिहें
गंगाजी के दर्शन पाइब जी
बिना समाज के सेवा कइले
तुलसी के पास ना जाइब जी।

www.bhojpurisahityangan.com

अदिमी से अदिमी

आज जीवन से राग
खतम हो गइल
अदिमी से अदिमी
दूर हो गइल

जब आइल मोबाइल
सब लोग के खुशी छिनाइल
धीरे धीरे अइसन भइल
अदिमी से अदिमी कट गइल

आज जीवन से राग
खतम हो गइल
जब आइल मोबाइल
ऊ गज़ब के
हथियार बन गइल
एकरा से
अदिमी पंगु हो गइल

सब कुछ
ठीक-ठाक कहँवा बा
अदिमी सिमट के रह गइल।

www.bhojpurisahityangan.com

सिलवट

गाँवें गइला बहुत दिन हो गइल
जब से माई जीअल
सिलसिला बनल रहल
ढेंकी जाँत सिलवट के पूजत रहल

गधबेर जइसे होखे दीअना बारत रहल
साँझा माई हई जान के
अँचरा से तोपत रहल
अब ना लउकी भाँड़ी में चाउर धइल

माई जब से जीअल तब ले सहेजत रहल
तीज त्योहार पर बहिनन के
सौगात भेजत रहल
गाय बैलन से दुआर शोभत रहल

बाछा बछियन के कूदल
नीमन लागत रहल
जब से आँगन आ छप्पर रहल
तब ले गौरैय्या चहकत रहल

माई रोजे आँगन में दाना छींटत रहल
अब सब कुछ सपना जइसन हो गइल
अब से सभे उहे कइल जवन माई कहल
गाँवें गइला बहुत दिन हो गइल।

www.bhojpurisahityangan.com

कवन चीज

सुख खातिर हम
सब गँवा देनीं
अब ले कुछुओ ना पवनीं
ईमानदार बन के
हम का कइनीं
जिनिगी किराया के
घर में गुजार देनीं
बहुत बहस के
कवनो काम नइखे
हम एगो इंसान बानीं
हमरा ई ना बुझाइल
कवना सुख खातिर
हम सब गँवा देनीं
कवन चीज
खोजत रहीं हम
जवन ना पवनीं
ईमानदार बन के
हम सब कुछ
प्राप्त कर लेनीं
चरित्रवान बनला से
बढ़ के,
एह दुनिया में
कवनो दोसर चीज के ना देखनीं।

www.bhojpurisahityangan.com

बाबूजी के ना रहला पऽ

कवनो अदिमी के जीवन में
माई के जगहा
केहू दोसर ना लीही
बाबुओ जी कतनो बड़ होखिहें
माइए उनुका के
सलाह मशविरा दीही

बबुआ कान्हे बाबुजी के
जब बइठ जाला,
ओकरा सोझा
दुनिया भर छोटे लागला
जवना दिन बाबूजी के
आँख मूँदा जाला
बबुआ के आँख में
अन्हरिआ छा जाला

बछड़ा तबहिंयें
कूदे ला फाने ला
जब ले खूँटा से
बान्हल रहेला
खूँटा से जब पगहा
छटक जाला
तब ओकर होश ठिकाने
लाग जाला

www.bhojpurisahityangan.com

बाबूजी के ना रहला प
बबुआ बचिया के
आँटा दाल के भाव
मालूम हो जाला

बाबूजी के महिमा के कतनो
कइल जाई बखान
ऊ सब कमे होखी
सुन ल देके ध्यान

बाबूजी खातिर मन में बबुआ के
शोक भरल बा
बबुआ के भीतर बाबूजी खातिर
करुणा के भाव उमड़ल बा

बाबूजी के जिनिगी में बबुआ
उनुकर पीड़ा समझले होइते
तब उनुका ना रहला के बाद
रात-दिन रोवला के बहाना काहे बनइते।

www.bhojpurisahityangan.com

सभे मरत बा

सरकारी फरमान बा जारी
केहू कवनो संघ संगठन के
जब नाम लीही
ओकरा पऽ आफत आई भारी
तब ओकर नौकरी रसातल में जाई
अगर कवनो तरह से बनाइयो लीही
तब ओकरा के जहन्नुम में भेज दिआई

स्कूलन के संग संग कालेजन पऽ भी
शामत बा आइल
पाँच पाँच घंटी पढ़ावल बा जरुरी
आपन कालेज में जब ना होई पूरा,
दोसरा कॉलेज में चाहे होखे दूरी
तब शहर चाहे देहात के
कालेज में पड़ी पढ़ाई
ना त तनख्वाह काटल जाई
जब एह तानाशाही के
संघ कइलस विरोध
तब अधिकारियन के पेंशन पर
लाग गइल तत्काल रोक
संगे संगे सब पेंशनभोगी के
पेंशन पर आ गइल बा आफ़त
तीन-तीन महीना से बंद हो गइल पेंशन
भोजन पानी बिना बा सभे मरत।

www.bhojpurisahityangan.com

सगरो अन्हार बा

पढ़ लिख के खोजत बानीं
रोजी रोजगार
कतहुँ लउकत नइखे
छवले बा सगरो अन्हार

एगो से दु गो भइलीं
दुगो से हो गइनीं चार
कुछुओ बुझात नइखे
करीं हम कवन रोजगार
छवले बा सगरो अन्हार

रोपेआ ना पइसा बा
नाहीं बा खेतवा बधार
कवनो दोसरो जोगाड़ नइखे
लोन लोन हल्ला बा
नइखे देत बैंक अउरी सरकार
छवले बा सगरो अन्हार

गँउवाँ में शरमात बानीं
करे में मजूरी
लोगवा कह कह के हँसे लागी
ई ले ले बाड़े बी ए के डिगरी
रह रह के बदलत बा विचार
छवले बा सगरो अन्हार ।

www.bhojpurisahityangan.com

सेनुरा के डिबिया

ए परदेसी सईयाँ
हमरा के ले ले अइह
सेनुरा के डिबिया

ना चाहीं झुमका
नाहीं काम हलका के
कवनो जरूरत नइखे नथिया
परदेसी सईंयाँ
हमरा के ले ले अइह
सेनुरा के डिबिया

ना चाहीं पइसा रोपेआ
नइखे काम कवनो
धन अउरी दउलत के
नाहीं जरुरत बा
साया अउरी सड़िया
परदेसी सईंयां
हमरा के ले ले अइह
सेनुरा के डिबिया

सब कुछ बिला जाई
संगे हमरा इहे जाई
मरला के बादो
हम कहात रहब
मोर सुहागिन धीया
ई सभ सुन सुन के
खुश होइब ए हमार पिया
ए परदेसी सईयाँ
हमरा के ले ले अइह
सेनुरा के डिबिया।

www.bhojpurisahityangan.com

सुनहीं के पड़ी

भोजपुरी बोले के सीखीं
भासा के करीं पढ़ाई
भोजपुरी पढ़े के सीखीं
भासा के करीं लिखाई

भोजपुरी के इतिहास
अउरी बड़ुए व्याकरण
नाटक आ कहानी लिखाइल
ढेर सारा बा संस्मरण
कविता आलोचना भरल बा
दुनिया भर के कहावत लिखाइल

पढ़नीहार के धरनीहार लागल बा
आठवीं अनुसूची में
शामिल करे खातिर
प्रदेश से ले के देश भर में
शोर मचल बा
देश में सगरो होखत बा
सम्मेलन आ अधिवेशन
तबो आज तक भोजपुरी के
केहू ना मिलले माई बाप
जवना से बनल बा टेंशन

काहे केहू के बुझात नइखे
एकरा पीछा कवन बा श्राप

www.bhojpurisahityangan.com

भोजपुरिया कबो निराश ना होखे
मरते दम तक
लड़त भिड़त रहिहें
एक दिन अइसन जरुरे आई
खूँटा आपन ओहिजे गड़िहें
झूक जाई सरकार
भोजपुरिया के बात सुनहीं के पड़ी
नाहीं त चाका जब जाम हो जाई
तब टूट जइहें
सब सरकारी तंत्रन के कड़ी
आपन बात अब हम बस करत बानीं
रउआ सब के चरनन में बसल बानीं।

www.bhojpurisahityangan.com

मदिरा पीये के फेर में

मदिरा पीये के फेर में
बबुआ घरे से गइले
माई पूछत रह गइली
नाहिंये ऊ बतलइले
पी के जब लवटत रहले
तब नली में गिर गइले
सगरो हो गइल हल्ला
जुट गइल टोला मुहल्ला
नथुआ नथुआ हल्ला भइल
माई के जीव डेराइल
जब ओहिजा पहुँचली
देखते आपन माथ पकड़ली
मिलजुल के लोग निकालल
ओकरा के घरे पहुँचावल
माई के चिंता बढ़ गइल
हमार लइका आवारा भइल
रक्षा करऽ हे हमार गोसईयाँ
दुनिया से गइले कहिये सईंयाँ
एक मात्र तू बाड़ सहारा
नथुआ के नइया भगवान
लगाा द किनारा।

www.bhojpurisahityangan.com

चदरिया फाटल बा

चदरिया फाटल बा मोर
बहुत दिनन से
ओढ़त रहनी
मसक गइल बा
कोरे कोर
चदरिया फाटल बा मोर

रतिया कसहुँ
बीत जात बा
नइखे कटत
भोरे भोर
चदरिया फाटल बा मोर

ओकरा के
फेंकत नइखे बनत
नाहीं ले जात बाड़न
कवनो चोर
चदरिया फाटल बा मोर

पइसा पास में नइखे
खलिहा बा अनाज भंडार
लजात बानीं माँगे में
चिंतित मन घूमे चहुँओर
चदरिया फाटल बा मोर।

www.bhojpurisahityangan.com

सदा बहार

हमनी खातिर बा
सदा बहार
घबराये के कवनो
बात नइखे

असाढ़ होखे भा सावन
भादों होखे चाहे कुआर
हमनी खातिर बा
सदा बहार

बेवकूफ बना के
घुमावल जात बा
सगरो पीछे-पीछे
दिन रात दउड़ावल जात बा
सोझे अउरी तिरीछे
तब देह थाक जात बा
तबीयत बिगड़लो प
केहू करत नइखे उपचार
जाये दिहीं
हमनी खातिर बा
सदा बहार

दल बदलू भले केहू कहे
हमनी के त एके हईं
एके बड़ुए हमनी के परिवार

www.bhojpurisahityangan.com

सगा संबंधी सबे सुखी बा
रोज बढ़त बा
हमनी के बैपार
घबराये के कवनो
बात नइखे
हमनी खातिर बा
सदा बहार

जब से कुरसी हाथ में आइल
तब से चहल-पहल बा
जे कबो करत रहे शिकायत
अब सब के सब सटल बा
हमनी के अलगे दुनिया बा
पहचानो बा अलगे अलगे
जनता के भेजल हईं जा
जनता से का मतलब बा
झूठ मूठ के लागते बा
जनता दरबार
घबराये के कवनो बात नइखे
हमनी खातिर बा
सदा बहार।

www.bhojpurisahityangan.com

आपन हारल

आपन आपन
दाँव के फेर में
सब केहू लागल बा
केहू नइखे सुतल
सबके सब जागल बा
मनवा त सबकर बड़ुए
एके जइसन
कवनो ऊ पागल बा
जुआरी खेल में
मस्त रहे ला
समझेला ऊ
जरुरी दाँव जीआवल बा
सब खेलाड़ी
एके बात सोचे ला
जरुरी पारी जीतल बा

सोना सोनार
घरे ले गइल
हाथ में मिलल पीतल बा
केकरा से हम
कहीं कहानी
आपन हारल
आ मेहरी के मारल बा।

www.bhojpurisahityangan.com

कवनो ठेकाना नइखे

का हमार पूछत बाड़ऽ
हाल चाल
जमानत पर छूट के
आइल बानीं
कहिया फेरु
चालान हो जाइब
एकर कवनो
ठेकाना नइखे
निहचिंत बानीं
कवनो गम नइखे
बेटा-बेटी खातिर
अतने ना कमाई
कर देले बानी
जे सातों पुहुत ले
खतम ना होई
इहे हउवे प्रजातंत्र
जनमत के आधार पर
हम नेता बन गइनीं
मंत्रियो हो गइनीं
फिर का पूछे के
पौ बारह हो गइल
जवन जवन विभाग मिलल
ओकरा के खूब लूट लीं
मन भर लूट लीं
ना डेरइलीं का होखि

www.bhojpurisahityangan.com

वोइसे संयोग के बात रहे
जाँच में पकड़ा गइलीं
गिरफ्तारी भइल
जेलवो में गइलीं
साल भर के बाद
जमानत पर छूट के
आइल बानीं
ई लोकतंत्र हऽ
सब कुछ अपने बा
लूट लिहीं
ई लूटतंत्र हऽ
जतना लूटे के बा
निफिकिर हो के
लूट लिहीं।

www.bhojpurisahityangan.com

दलिद्दर

दुःख देबऽ तू
कब ले
बताव दलिद्दर
पीट के सूप
तोहे भगाइब दलिद्दर
एहू से ना भगबऽ
त पीठा खा-खा के
तोहरा के
हम भगाइब दलिद्दर
जानत हम बानीं
भगा के हम सुख से
ना रहब दलिद्दर
रहब तबे हम
कमाइब खाइब दलिद्दर
लछिमी के इज्जत
तबे रही जब ले
भगावल जात रही दलिद्दर।

www.bhojpurisahityangan.com

केहु ना कही

आज आइल बा दीवाली
खिलल बा बहुत चेहरा
कहतिआ रमुआ के घरेवाली
अब हो गइल गधबेरा
बबुआ केने बड़ुए दीआ
ओह में तेल नइखे
बुचिया झपकी लेत बिआ
ऊ खइले नइखे
आज दीवाली ह बबुआ
कवनो बात नइखे
साल भर के दिन ह बबुआ
दीअरी के औकात नइखे
तोहरा रोपेआ बा बबुआ
माई एको पइसा नइखे
आज घर अन्हारे रही बबुआ
इहे बुझात बा माई
हाय रे करम
जिनिगी बीत गइल
साल भ के दिन
तबो पेटवो ना भरल
जिनिगी अन्हार बबुआ
घरवो अन्हार बा
जीअला में का बा
बिपतिया चढ़ल कपार बा
मुअला में भलाई बा
केहू ना कही कुछुओ
एकरा खातिर इ गुनहगार बा।

www.bhojpurisahityangan.com

मन करत बा

मन करत बा गाँवें जाईं
धान के हरिअरी देख आईं
एह आरि से ओह आरि जाइब
घसगढ़िअन के देख लुकाइब
घास गढ़त धान के कटिहें
चोरी छिपे बोझा बनिहें
चुपचाप घरे ले जइहें
पकड़इला पर बहाना बनइहें
डाँटला पर मुँह बिचकइहें
रोवत रोवत घरे चलि जइहें
एक दिन के कवनो बात नइखे
रोज रोज के आदत बडुए
एक दिन जा के हम का करब
केकरा पकड़ब केकरा छोड़ब
हरिअरी कहँवा हम देखनीं
घसगढ़िअन के रोके लगनीं
हमरा रोके से ऊ ना रुकी
उहे रोकी जे रोज झाँकी झुँकी।

www.bhojpurisahityangan.com

पितरपख

मन के अरमान
पूरावल चाहत बानीं बाबूजी
पितरपख आइल बा
रउआ के खोजत बानीं बाबूजी
पाँच बरिस पहिले रउआ के
गया जी में खोजले रहीं बाबूजी
अब त हर साल रउआ के
घरहीं में खोज लिहींला बाबूजी
बाबूजी हम जानत बानीं
राउर अष्टमी तिथि
पंडीजी के बोला के
तरपन के पूरा करीं ला विधि
बाबूजी राउर हम लइका हईं
कवनो हमरा से भूल चूक
हो जाई तऽ
ओकरा के माफ कर देब बाबूजी
रउरा खातिर हमरा मन में
कतना सरधा बा
हम अपने से कइसे बखान करीं बाबूजी
काल्ह राउर तिथि हऽ
इयाद करावत बानीं बाबूजी
आपन बेटा पऽ किरपा करबऽ बाबूजी।

www.bhojpurisahityangan.com

बरजोर घोड़ा

अजबे मन बा
ऊ ना धइला से धराई
ना मारला से ऊ मराई
के बा जे ओकरा के समुझाई
ऊ त बरजोर घोड़ा हऽ
जे बार बार हिनहिनाई
कहानी सुनवला प हूँ हूँ करी
एकरा बाद ऊ उहे करी
जवन ओकर मन करी
ऊ खुशामद पसंद करला
ओकरा खातिर ईमान बेचला
साँच में विश्वास कम
झूठ में रमल रहला
ऊ त कबो कबो हो जाला
पागल अउरी मतवाला
कबो केहू प तीर चला दी
कबो केहू के मार दी भाला
कबो चोरी करे खातिर
बेचैन हो जाला
कबो कबो जपे लागी माला
इंसान इंसान रहीत त ना होखित
एकर ई बुरा हाल
जब हो जाला ऊ शैतान
तब सब कुछ भुला जाला
ऊ उहे करे लागला

www.bhojpurisahityangan.com

जवन एगो इंसान ना कर पावला
जवन मन गुरु के चरन में लाग जाला
ऊ सही में एगो इंसान बन जाला
ऊ समाज में पूजल जाला
जवन मन गुरु ज्ञान गंगा में
डुबकी ना लगावला
ऊ एकदम हैवानियत से
सराबोर हो जाला
मन त बरजोर घोड़ा हऽ
अनुशासन ना जाने
जेने चाहेला ओने भाग जाला।

www.bhojpurisahityangan.com

बबुआ कबो नाम मत लीहऽ

बबुआ कबो
नाम मत लीहऽ
जाये खातिर दिल्ली
तोहरा के काट खइहें
बाड़न ओहिजा
तरह तरह के
कुकुर अउरी बिल्ली
भासा भी कवनो एगो नइखे
लोगवा बोललन
हरियाणवी पंजाबी
हिंदी भोजपुरी
राजस्थानी भाषा अरु बोली
भासा बोली के खिंचड़ी
बनल बा जहँवा
ओहिजा लिटिओ चोखा
कबो कबो भेंटाला
हाथ में हाथ मिलाके
जहँवा झुंड के झुंड घुमेला
चार सै बीसी में जे माहिर बा
ओहिजा ओकरे होखि गुजारा
बाकी दुनिया भर हो जाई किनारा
दिल्ली दिल के गिरवी रख लेली
जे साँचहुँ दिल से दिल्ली में बस जाला
अंतिम बार में ऊ अदिमी
त जरुरे धोखा खा जाला।

www.bhojpurisahityangan.com

कल्याण हो जाई

आइल बा नवरात्र
तन मन के साफ रखीं
दिल से जब निकले बात
तब दिल पर हाथ रखीं
कवनो बात कहे से पहिले
विचार कइल करीं
आइल बा नवरात्र
एह बात के खेआल करीं
अइसन कवनो बात ना
केकरो सोझा कहल करीं
जवना से ओह अदिमी के
दिल में दरद घर करी
माई के आइल बा दिन
मन के साँच रखल करीं
केहू खिसिअइबो करे तऽ
चुपचाप रहल करीं
एही में दुनों जना के बा भलाई
नाहीं त नवरात्र में आपुस में
बेमतलब होखे लागी लड़ाई
ई देहिया के देबी जी के
सेवा में जे लगाई
ओह जीव के हर क्षेत्र में
कल्याण हो जाई।

www.bhojpurisahityangan.com

ढोल झाल

कहँवा केकरो फुरसत बड़ुए
जाये के केकरो घरे
गीत गावे अउरी सुनावे के
ढोल झाल
सब कुछ ओहिजे बड़ुए
मन नइखे करत बजावे के
मुरलीधर कबहिंयों हरदम
मुरली कहँवा बजवलन
जब राधा रानी कहली
तबहिंयें ऊ बजवलन
अइसन संगीत सुनवलन
सुन सुन के
सब मतवाला हो गइलन
जब मधुवन छोड़ के जाये लगलन
त सब के सब
उनुका पाछे चले लगलन
देश में फैलल बुराई आ अत्याचार के
मार मार के रसातल में पहुँचा देलन
उहे राधा रानी
माता दुर्गा के अवतार बनली
आ महिसासुर के मार के
दरकिनार कइली
जनजीवन के अस्त-व्यस्त
जिनिगी के राहत दिहली।

www.bhojpurisahityangan.com

महिसासुर

कहँवा जात बाड़
छोड़ के हमरा के
सजनवा हमार
आइल बड़ुए दुर्गा पूजा
सजल बा माई के दरबार
चल तनिका देख आवे के
ले लऽ फल फूल माला
अउरी धूप-दीप बाती
चलऽ बार आवे के
कइल जाई माई के
कपूर से आरती
माई से माँगब हम माफी
भइल होखि हमरा से
कवनो गलती हे माई दुर्गा
दीहीं हमरा के शक्ति
मन रूपी महिसासुर के
मार मार के भगा दिहीं
आ हम करीं राउर भगति
माई से माँगब हम
एगो अइसन वरदान
जवना से हमार देस के
बढ़े मान अउर सम्मान।

www.bhojpurisahityangan.com

पकड़ के गरदन

बड़ मनहूस मिलल संघतिया
मानत नइखे एकहु बतिया
आपन मन के ऊ राजा हवन
करेलन उहे बुझाला जवन
बात बनावे के ऊ जानेलन
समझावे में माहिर ऊ बाड़े
बनल काम के लगिहें बिगाड़े
जब करब हम टोका-टोकी
कहिहें हमरा के कवन रोकी
एक दिन उनका से कहनी
सुधार लीहीं आपन रहनी
खूब ठठा के ऊ हँसे लगले
हमरा भीरी दउड़ल अइले
पकड़ के गरदन लपटा गइले।

www.bhojpurisahityangan.com

मन लगा के पढ़ीहऽ

लिखत बानी चिठी प्यारी
मन लगा के पढ़ीहऽ
जब तोहार मन ना लागी
एकरे से मनरंजन करीहऽ
आवे के जब मन करी
कवनो दिन मत धरीहऽ
सब दिन बरोबर बा तोहार
होखे परब भा ना तेवहार
तोहरा केहु से ना पूछे के बा
ना लेबे के बा कवनो छुट्टी
कवनो बाल बच्चा कहँवा बा
पीआवे के बा जनमघूँटी
एही से हम भेजत बानी चिठी
जब जब मन होखे खांटा
तब पढ़ के मन करीह मीठा
कवन ठेकाना बड़ुए हमार
आज छोड़ब कि काल्ह संसार
हमार सनेसा के जनि भुलइहऽ
नाहियो रहब त मत घबरइहऽ।

www.bhojpurisahityangan.com

जवनवा

सीमवा प गइल बा सजनवा
हमार जवनवा बन के
हथवा में ले ले बा बनूकिया
खाड़ भइल बा तन के
दुश्मन प कइले बा तिरछी
आपन ऊ नजरिया
पीसत बड़ुए दाँत के बिरिया
मारे खातिर खात बा किरिया
बजर बान से बेध बेध के
मुआइब दुश्मन के छेद छेद के
देखब तोरा में कतना बा बल
ना चली तोर कवनो कलछल
तोर छाती प हम चढ़ जाइब
खून पीअब तोर माँस खाइब
बजरंगी के हम गोहराइब
तोर घर में हम घुस जाइब
गाजर मुरई अस काट काट के
बोटी बोटी बाँट बाँट के
सगरो हम फेंक फेंक के
कुकर सियार गिध के खिआइब
तोर छाती पर दुसमनवा
हम आपन तिरंगा फहराइब
भारत माता के जय बोलब
मन के सपना पूरा करब।

www.bhojpurisahityangan.com

नमन करत बानीं माई

सादर नमन करत बानीं माई
मन करत बा हमार
भोजपुरिये में लिखीं
अउरी भोजपुरिये में गाईं

राष्ट्रभाषा हिन्दी में बहुते
पढ़लीं-लिखलीं
चाहत बानीं
मातृभाषा भोजपुरी के अपनाईं,

लिखे के जोर लगवले बानीं
करत बानीं एकरा से लड़ाई,
आज नाहीं त काल्ह
जरुरे हम जीतब,
आठवीं अनुसूची में
शामिल करे खातिर जूझब,

भोजपुरी माई के बहुतेरे संघ-
संगठन बनल बा,
कवनो संगे हम जोरिया जाइब
लिखब पढ़ब भोजपुरिये में
भोजपुरिये में गीतो गाइब,
ढोल मजीरा झाँझ हम खूबे बजाइब,

www.bhojpurisahityangan.com

भोजपुरी भाषा के लेखकन से
निहोरा करब,
रउआ सभे एकरा के अश्लील
शब्दन से बचाइब,
पाठ्यक्रम खातिर
साहित्यिक रूप के अपनाइब,

भोजपुरी के अनेक रूप बा
अनेक देशन में बोलल जाली,
ई मीठ भाषा जरुर ह बाकी
मर्दानगी देखावली,

एही से माई मन करत बा
भोजपुरिये में लिखीं गाईं,
तोहरा के शिखर पर पहुँचा के
दुनिया भर में डंका बजवाईं।

www.bhojpurisahityangan.com

साल कतनो बदले

साल कतनो बदले भाई
ओह से फरक पड़े के का बा
जेकरा डाँड़ ठेहुना में दरद बा
ओकरा त खड़े रहे के बा
ओकर मन राम ना कहल चाही
मज़बूरी में उनुका कहहीं के बा
साल कतनो बदले
भूखमरी कबहिंयों मिटहीं के ना बा
केहू कतनो कम्बल बाँटे
जाड़ा त जाहीं के ना बा
साल कतनो बदले भाई
ओह से फरक पड़े के का बा

बसमतिया के कटोरा ले के घुमहीं के बा
एह देश में केहू कतनो बाँटे राशन
गलती कुछुओ बुझात होखे केहू के एह में
त हमरा प कवनो असर पड़े के ना बा
पड़ल पड़ल मन से भा मज़बूरी में
राम राम जपहीं के बा
ओह से फरक पड़े के का बा।

रउओ सभे से हमार निहोरा बड़ुए
श्रीराम सभकर हईं,
प्रेम से हम सनातनी के
राम राम कहे के बा
साल कतनो बदले भाई
ओह से फरक पड़े के का बा।

www.bhojpurisahityangan.com

रोजी-रोटी

जब हम एम् ए पास हो गइनीं
तब तुरंते नौकरी ना लागल
हमार मन हो गइल पागल
एही बीच बातचीत में बाबूजी
चाचा जी पर बिगड़ गइलन
कहलन हम तोहरा से कहत रहीं
एकरा के कवनो काम धंधा में लगाव
बाकी तू हमार बात ना मनलऽ
सब धीव गोईंठा में सूखा गइल

बाबूजी के बात सुन के
हमार मन अउरी घबराइल
आ भागल भागल बनारस गइल
ओहिजा बाबा विश्वनाथ के दर्शन कइलस
बाबा एगो राह बतवलन
ओही प ऊ पैर बढ़वलस
नतीजा बहुते नीमन निकलल
मन हमार रोजी-रोटी पवलस
मन में भइल बहुते शांति
खतम भइल बाहर भीतर के भ्राँति।

www.bhojpurisahityangan.com

साहित्यकार एसी में

अबहीं ले हम जवन
समुझल बुझल बानीं
रउआ सभ के हम
नीमन से
सुनावत बानीं
अच्छा लागी
तब हमार
तारीफ करब
खराब लागी
तब हमरा के
गारी देब
अबहीं ले
जतना साहित्यकार
एसी में बइठ के
गरीबवन पऽ
कुछुओ लिखले बाड़े
ऊ सभ दिखावटी हऽ
गरीबी कहँवा ऊ
अबले जीअले बाड़े
ऊहे साहित्य
जनता प असर डालऽला
जवन जीवन में
भोगल जाला

www.bhojpurisahityangan.com

आज ले जेकरा पाँव में
बेवाय ना फाटल
ऊ ओकर दरद
ना जानला
अगर एह प कुछुओ
ऊ लिखले बड़ुए
एकरे के बनावटी
कहल जाला
माफ करब जा
साहित्यकार भाई लोग
कबो-कबो
हमरा समझ में
जवन बुझाला
ऊ मौका बे मौका
बेमतलब के
उगिला जाला
रउआ सभे के
धन्यवाद करत
बस आपन बात
खतम करत बानीं
एकरा के बुरा ना
कबो मानल जाला।

www.bhojpurisahityangan.com

रजनीगंधा

दँतवा के दरदवा
मरदवा के कइले तंग बा
राजधानी रजनीगंधा के
इहे आपन रंग बा
एकरा बादो
नौजवानन के मुँह से
ऊ नइखे दूर होखत
कवन लाचारी बा
ई त एगो अइसन बीमारी बा,
बुड़बक मन बेमतलब
ओह में बन्हाइल बा,
रोपेआ पइसा
जब नइखे रहत पास में,
तब एने ओने से
जवने होखे ओकरा के चोरावल बा,
माई बाबू के समुझावल
केहू नइखे सुनत
उलटी उनुका से मुँह फुलावल बा,
थाक हार के बाप मतारी
चुपचाप बइठ जाला,
एक दिन अइसन हो जाला
कि बबुआ धीरे-धीरे
कैंसर के चपेट में आ जाला।

www.bhojpurisahityangan.com

मत जइहऽ सुगनवा

मत जइहऽ सुगनवा
हमरा के छोड़ के
मान जइहऽ कहनवा

मत जइहऽ अकेले
हमरा से नाता तोड़ के
दुनिया में जिनिगी भर
संगहीं बीतल बा
कवन अइसन इमरजेंसी बा
जवना से अकेलहीं जाये खातिर
मन तोहार तइयार भइल बा
हमरो निहोरा बा
दूध से भरल कटोरा बा
आधा तू पीअ
आधा हम पीअब
हम त इहे चाहब
अबहीं हमहुँ जीहीं
आ तुहूँ जीअ
राम नाम के सुजनी
हमहुँ बनाईं
आ तुहूँ सीअ।

www.bhojpurisahityangan.com

लोर भर आइल

ए माई
का करीं का ना करीं
हमरा कुछुओ बुझात नइखे
ध्यान से कान खोल के सुन लऽ
लाठी डंडा कमरा कोथरा
आपन ले ल ऽ
हम ना तोहार गाय चराइब
हमहुँ पढ़े जाइब ए हमार माई
जतना रहले संगी साथी
सब स्कूल जा के
करत बाड़े पढ़ाई
ए माई का हमहुँ जाईं
माई के अँखियन में
लोर भर आइल
बबुआ के गले लगा लिहली
स्कूल जा के पहुँचा दिहली
ए बबुआ
हमहुँ इहे चाहत बानीं
पढ़ लिख के ज्ञानी बन जा
गाय चरावल जरुरी नइखे
तोहरा के कहिये से समुझावत बानीं
हमरा मन के अरमान इहे बा
मन से करऽ पढ़ाई लिखाई
गाय भैंस के चक्कर छोड़ के
अरमान पूरा करऽ माई के।

www.bhojpurisahityangan.com

कइसे कटी जिनगी

कइसे कटी जिनिगी रे मनवा
खोंखी भइल बुढ़ारी में,
जवानी त बीत गइल रे मनवा
परचून के दोकनदारी में,
साँझ-बिहान चबेनी
फाँकीना रे मनवा
जीभ बसल बा तरकारी में,
पढ़-लिख के बइठल बा लइका रे मनवा
नौकरी खोजत बड़ुए सरकारी में,
हमरा त डर लागत बा रे मनवा
उमिर बीत जाई ओकर शानदारी में,
खेत खरिहान तऽ अब कमे बा रे मनवा
बेचा गइल सब देनदारी में,
जिनिगी काटल दुलम भइल बा रे मनवा
अबहीं ले जीअत बानीं लचारी में,
बुढ़िया के छोड़ के कहँवा जाई रे मनवा
थउँस गइल बिया कोरोना के बेमारी में,
देखते देखत में तबाह हो गइल
जिनिगी रे मनवा
खलिसा हमार होशियारी में,
अब देश भर में हलचल
मचल बा रे मनवा
हमहुँ लागल बानीं
भगवान के आवे के तइयारी में।

www.bhojpurisahityangan.com

बेंड़ा पार

छटपटाहट मन में बड़ुए
जाये खातिर अयोध्याजी
अरमान पूरा करे खातिर
आवत बाड़े भगवान जी
दुनिया भर के भीड़-भाड़ बा
ओह में कइसे जाइब
मोदी जी सबसे कहत बानी
बाईस के मत आइब जा
घर ही में रह के पूजा करीं जा
चौबीस पच्चीस के आइब जा
अबहीं हमहुँ दरसन खातिर
एगारह दिनी साधना में लागल बानीं
रउओ सभे बाईस तक
अपना के साधक बना लीं
घबराये के नइखे बात
राम जी अब एहिजे गाड़ब आपन खूँटा
ना छोड़िहें जा कवनो लोग
आपन मन के छूटा
राम नाम के महिमा बा अपार
ना करिहें कवनो बबुआ
दु नंबर के बैपार
भजन कर रे मनवा राम नाम के
रामजी लगइहें सबकर बेंड़ा पार।

www.bhojpurisahityangan.com

सोना के बनल केवाड़ी

हे भगवान राम जी
हमरा तरफ नजर घुमाईं
जाड़ हाड़ कँपवले बड़ुए
चरनिया आपन छुआईं
उज्जैन से आवत बड़ुए
पाँच लाख लड्डू अयोध्या में
भक्तगण के बीच में बँटाई
राजस्थानी अगरबत्ती
सौ मीटर बा ओकर लम्बाई
ओह से हवन करीं चाहे जलाईं
नेपाल से ना जाने
कवन चीज आवत बा
ओह सब से अयोध्या सहित
राम दरबार के खूब सजाईं
चमचमात बड़ुए
सोना के बनल केवाड़ी
श्री ठाकुर जी के
खूबसूरत लागत बा बाड़ी
सीतामढ़ी से आवत बड़ुए
राम सिया खातिर
तरह-तरह के
सुंदर-सुंदर पोशाक
जवना प काढ़ल
बड़ुए नीमन कसीदा
अउरी ओह प बइठावल बा जरी
तन मन धन सब स्वस्थ रही
हरदम भजत रहीं
श्री राम कृष्ण हरि।

www.bhojpurisahityangan.com

फरियाद करीं जा

आईं जा याद करीं जा
राम जी से फरियाद करीं जा
उन्नीस सौ उनचास के संविधान के
पालन करीं जा
भारत के लोकतंत्र में
हमनी के जीअत बानीं जा
अउरी पूरा भोगतो बानीं जा
का भगवान रउओ राज में
लोकतंत्र के नाम पऽ
अत्याचार होत रही
अइसहीं अन्हरिए रही
कि अँजोरियो आई
आपन दरद सुनावे खातिर
रउरा दरबार में आइल बानीं जा
उम्मेद बा त्रेतायुग के
जिनिगी अब हमनी बीताइब जा
आ एह लोकतंत्र से जरुरे निजात पाइब जा।

www.bhojpurisahityangan.com

दिलवो दरक जाला

समय जब हाथ से सरक जाला
तब मनवा फरक हो जाला
अतने ना दिलवो दरक जाला
समय के हाल ई बा
कि बात बात में भनक जाला
उजबुजा के कबो कबो सनक जाला
समय एगो अइसन सवाल पर सवार बा
जवना के केकरो पास जवाब नइखे
लफ्फाजी लफंगई के चंगुल में
अइसन फँस गइल बा
जेकरा ओह से उबरल आसान नइखे
समय के चउखट प माथा रगड़त रगड़त
केहू के जिनगी बिका जाला
केहू अइसनों बा जे समय के दुअरिए से
सब कुछ पा जाला
हाय रे समय
ना जाने कतना जिनगी बीत जाला
बाकी तोहरा से कबहिंयों भेंट ना होला
समय के मार अइसन हऽ
जब गाड़ी छूट जाला
तब कवनो जतन
केहू काहे ना करे ऊ नाहिंये पकड़ाला।

www.bhojpurisahityangan.com

दरबार राम के

फूल पत्तीअन से सजल बा
दरबार राम के
मुँह फेर के केहू बइठल बा
कवन काम के
सब कर होई भलाई
क के भजन राम के
पानी में रह के
केहू कइसे करी
बैर मगर से
जे दुनिया बनवले बा
केहू कइसे रही ओह के छोड़ के
आ गइल बा शुभमुहूर्त
शरण में जाये के राम के
अविराम गति से करे के बा
भजन राम के

लजाय के बात नइखे एह में कवनो
झटपट पकड़ लेबे के बा
चरन राम के
छछनत जीव के मुक्ति मिल जाई
प्रभु श्रीराम के आशीर्वाद से।

www.bhojpurisahityangan.com

सदियन के अन्हरिया

राम के आवते
सगरो अँजोरिया भइल
सदियन के अन्हरिआ
जानें कहाँ गइल?
ओकरा में अब साहस कहाँ
कतहुँ जा के लुका गइल
राम उहे हवन
जे कइले रहले वन गमन
बीच-बीच में दिग्भ्रमितन के
शिकार हो गइले
जे दुनिया के बसावल
उहे पागलन के कारण
टेंट में रहले
रामजी सबका के बतला दिहलीं
हम काल्पनिक कहानी-उपन्यास के
कल्पित चरित्र ना हईं
हम मानव जीवन के आधार हईं
तोहार राजनीति से
हमार कवन काम बा
राम सेतुओ के तू लोग
काल्पनिक बतावत बाड़
साँच बात के समझे के बड़ुए तऽ
जा के समुद्र के छानऽ
एहु से ना होखे तऽ
अब हम सबका सोझा बानीं
जवन जवन मन में संदेह होखे
सबकर जवाब देबे खातिर
हम आइल बानीं।

www.bhojpurisahityangan.com

आसरा लागल रहे

केहू मिले ना मिले
कवनो गम नइखे
राम बिना देहिया में
तनिको दम नइखे
राम जी सत्य हवन
राम जी सनातन
इनका बिना कइसे
रही केहू के जीवन
तपस्या करे खातिर
भटकले वन-वन
संयोग से ना कतहुँ
अँटकले श्रीराम प्रभु
घर तबे लवटले
जब ऊ सपरिवार
रावण के मार गिरइले
लंका दहन में जान बचा के
कुछ राछस
जेने तेने भाग परइले
सीमा लाँघ के कुछ राछस
भारत में अइले
उहो लोग खोजात बा
कहियो त मरइहें
आसरा लागल रहे
एक दिन रामजी अइहें।

www.bhojpurisahityangan.com

फर्श वाला अर्श पऽ

करम के गति
केहू नइखे जानत
कब का हो जाई
फर्श वाला अर्श पऽ
कब चल जाई
आ अर्श वाला फर्श पऽ
कब गिर जाई
जतना में बानीं
ओतने में रहीं
तनिका में मत इतराईं
उताने जब
गिर जाइब तब
केहू हँसे छोड़ के
उठावे खातिर ना आई
करम के गति
केहू नइखे जानत
कब का हो जाई
राम जी के जब
किरिपा होखी
तब कुछुओ हो जाई।

www.bhojpurisahityangan.com

समय पहाड़ हऽ

समय पहाड़ हऽ
ओकरा नीचे मत बइठीं
कबहिंयों टूट के
गिर जाई
हिम्मत होखे त
ओकरा प चढ़ के
बईठ जाईं
नीचे बइठ के
नोह से
खंखोरे से ना खंखोराई
नोह आ अंगुरी
दुनों खराब हो जाई
पहाड़ के
गिरावे के बा तऽ
ओकरा जड़ में
डायनामाइट लगाईं
जब ले
विस्फोटक से
ओकरा भेंट ना होई
ओकर बालबाँका ना होई
अतना करे के त
तोहार अवकात
कहँवा बा

www.bhojpurisahityangan.com

जा के चुपचाप
घर में रह
ना तऽ
चुनाव आवत बा
लड़े भिड़े के होखे
तऽ अबहिंये से
जनता के बीच में जा के
समझाव-बुझाव
आपन सिद्धांत के
सही सही बतलाव
कवनो सामाजिक कार्यकर्ता के
रूप में एगो-दुगो
जवन काम कइले होइबऽ
ओकरा के गिनावऽ
कुछुओ ना होखे तऽ
नोट के बंडल ले के
सगरो घूमघाम के आवऽ।

www.bhojpurisahityangan.com

एह दुनिया में

एह दुनिया में
तरह तरह के
जीव-जंतु बनवले राम

एह दुनिया में
तरह तरह के
रूप रंग बनवले राम

एह दुनिया में
तरह तरह के
नस्ल बनवले राम

एह दुनिया के
तरह तरह से
सजवले राम

एह दुनिया के
तरह तरह से
समझवले राम

एह दुनिया में
तरह तरह के
रूप में बनल बाड़े राम

एह दुनिया में
तरह तरह से
भजत बा लोग राम राम
एह दुनिया में घूमघाम के
अयोध्याजी में बिरजले राम।

www.bhojpurisahityangan.com

चरित्रहीन

आरा हिले, छपरा हिले
बलिया हिले ला
अब आइल बा भूकंप तऽ
पटना हिलत बा
जोड़ तोड़ के राजनीति में
बिहार के जनजीवन डोलत बा
बेशर्म चरित्रहीन
राजनीति के चक्कर में
बिहार देश में
बदनाम होखत बा
नेता लोग
दिल्ली से पटना तक
सफाई देत फिरत बा
एह सब से
जनता के का भेंटात बा
आदत से लाचार आदमी
आदमखोर हो जात बा
सत्ता पर काबिज रहे खातिर
गाली बात सुन सुन के
भीतरघात कइल जात बा
हे भगवान रक्षा करीं
बिहार के जनता तऽ
रुआ जइसन धुना धुना के
राजनीति के लफ्फाजी में
लपटाइल जात बा।

www.bhojpurisahityangan.com

झँपिया से हथिया

फूल बगिया में जीवन
अब कहँवा बसत बा ?
झँपिया से हथिया
अब कहँवा निकलत बा ?
पहिले शादी बिआह में
झाँपी सजात रहे
ओह में तरह तरह के
खेल खेलौना रखात रहे
ई बात अबहीं ले याद बा
जब माई
आपन नइहर से मिलल झाँपी के
बार बार निहारत रहे
ओह में आपन जरुरत के
सामान रखत रहे
अब जमाना बदल गइल बा
झाँपी कहाँ सजात बा ?
आलमारी अउरी बक्सा संगे
वी आई पी भेंटात बा
गइल जमाना झाँपी झोरा के
ठेकुआ खाझा, खझुली, शकरपारा के।

www.bhojpurisahityangan.com

ईडी सीबीआई

आव तानी, आव तानी
तोहरा के बतावत बानीं
गोड़ हाथ ओरच के
भुईंयाँ सुतावत बानीं
चोरी कइलऽ, हत्या कइलऽ
अउरी कइलऽ बटमारी
सेन्हे प जब धराइल बाड़ऽ
तबहिंयों करत बाडऽ़ मारा-मारी
ईडी सीबीआई आई जाई
ओकरा से केकरो का मतलब
मतलब त ओकरे नू बडुए
जे कइले बा करिया कमाई
उज्जर जीव के गुजर सगरो बा
ओकर सब कुछ
सब केहू के सोझा बा
ओकर तन मन धन
सब कुछ साफ साफ बा
समाज खातिर ऊ ना कवनो बोझा बा
रहे के बा, करे के बा शान से
का जरुरत बा सहे के एह अपमान के
भारत माता अपने हई
हम सब हईं जा उनकर संतान
तब ई सभ काहे खातिर
चोरी चमारी करत बाड़े रे नादान।

www.bhojpurisahityangan.com

भाईचारा

दुनिया के बतावल
जरुरी बा
तोहरा से हाथ मिलावल
ना मजबूरी बा
बढ़त डेग के देखावल
जरुरी बा
सबसे संबंध निभावल
जरुरी बा
संस्कृति के जीआवल
जरुरी बा
संस्कारन के बढ़ावल
जरुरी बा
माई बहिनी के सम्मान कइल
जरुरी बा
देश के अपमान ना सहल
जरुरी बा
आपसी भाईचारा बनावल
जरुरी बा ।

www.bhojpurisahityangan.com

भार तोहरा पऽ बा

चार बहिन बानीं जा बाबूजी
भार बहुत तोहरा पऽ बा
कमे आमदनी में पढ़वलऽ लिखवलऽ
अब बिआह के भार तोहरा पऽ बा
विनती करत हमहुँ बानीं जा बाबूजी
एकर फिकिर ना रउआ पऽ बा
जुग जबाना संगे अब हमनियों के चले दीं
बहुत घेराबंदी में मत रहे दीं
समय के साथे रास्ता निकल जाई
रउआ इचिको जनि घबराई
इज़्ज़त हाल में लागी ना तनिको बाटा
कहत अयोध्या हमनी के आचरण से
राउर मन होखि ना खाँटा।

www.bhojpurisahityangan.com

बदलल समइया

खूँटवा से जनि बान्हीं
बेटिअन के बाबूजी,
बदलल समझ्या संगे
चलीं मोर बाबूजी,
उड़ान भरे दीहीं
धरती से आकाश
अब ले अन्हरिया में
जिनगी बीतल बाबूजी
देखे दीं हमरा के
घूम-घूम के प्रकाश
राउर मनवा के खोट
हमहुँ जानत बानीं
मत होखिं परेशान
रहीं इत्मीनान बाबूजी
रउवे हम खून हईं
केहू अंगुरी ना उठाई खानदान
अउरी सभ बेटी जस
हमरो के पढ़े दीहीं
दुनिया में होखि राउर नाम
चान सुरुज जइसन हमहुँ चमकब
बाबूजी बनि जाई राउर काम
करत निहोरा बानीं अयोध्या
ए बाबूजी मत रोकीं रहिया हमार
बेटियन के पढ़े-लिखे खातिर
पूरा खरचा तऽ देत बिआ सरकार।

www.bhojpurisahityangan.com

मेंहदी भइल कचनार

चलीं तुर लाईं जा
बगान में मेंहदी भइल कचनार
रउआ पीसब ओकरा
हम हथवा पऽ चढाईब
टह-टह लाल-लाल सदाबहार
प्रेम के परीक्षा हऽ
एह में के पास होई
एकरा के देखबे करी संसार
चलीं तुर लाईं जा
लाज के हटाईं जा
अबहीं भइल बा भिनुसार
पीरितिया लगाईं जा
महफिल सजाईं जा
एहीजा नगद बा नइखे उधार
चलीं तुर लाईं जा
बगान में मेंहदी भइल कचनार।

www.bhojpurisahityangan.com

संवाद के सिलसिला

चली संवाद के सिलसिला
जब ले जिनगी रही
ना कबहिंयों तंग होखी
प्रेम के सिलसिला चलबे करी
बही प्रेम रस के धार
केहू डूबकी लगाई
केहू पीअत रही
इश्क से अलग हो के
केहू कइसे रही
बार-बार फरमावत रही
दुनिया के हर चुनौती
स्वीकार कर ली दीवाना
कबहिंयों ना छोड़ी
प्रेम गीत गावते रही
दिल में जवन धधकत आग बा
ओकरा के हरदम जीआवत रही
चली संवाद के सिलसिला
जब ले जिनगी रही।

www.bhojpurisahityangan.com

कजरारे नैना

कजरारे नैना बोलावे धीरे-धीरे
टिकावे हटावे नजर धीरे-धीरे
अँखियन से जादू देखावे धीरे-धीरे
इशारा से नज़ारा देखावे धीरे-धीरे
देहिया में अजबे बा नैनन के जोड़ी
सबके लपेटत बा केहू के ना छोड़ी
चमत्कार देखावे धीरे-धीरे
बारी-बारी से नशा में डुबावे धीरे-धीरे
केहू कतनो बतिआवत रहे
ओह से बाँचि नाहीं पाई
नैना रतनार बान चलावे धीरे-धीरे
केहू करे एने ओने सोझ होई जाई
अँखियन के तीर के निशाना बन जाई
शरारती अँखिया डोरा डाले धीरे धीरे
आशिक के मदहोश बनावे धीरे-धीरे
कजरारे नैना बोलावे धीरे-धीरे
टिकावे हटावे नजर धीरे-धीरे।

www.bhojpurisahityangan.com

नजर के सब खेल बा

नजर के सब खेल बा मालिक
तनिके में नज़ारा बदल जाला
डेग डगमगाइल इचिको तऽ
बंदा डगमगा के गिर जाला
चलीं चाल ओतने निबाह हो जाय
संघतिया पीछे छोड़ के आगे बढ़ जाला
देखे के आपन आपन नज़र बा
केहू गेंदा के बम समझ जाला
केहू के केहू कइसे समुझायी
लोग झील के समंदर समझ जाला
केहू आपन जिनगी के सफर में
हमसफ़र से अचानक बिछुड़ जाला
गम में डूब के अपना पराया के भेद
ऊ एकदम से कइसे भुला जाला।

www.bhojpurisahityangan.com

नजरिया बदल लऽ

ईर्ष्या जलायी
गलायी देहिया के
क्रोध तनवा के
करिया क दी
मनवा के मुरझाई
नज़रिया बदल लऽ
जीवन में फिर खुशी खिल जाई

लोभ लपेट ली
तोहार जिनिगिया
कबो ना छूट पाई
लालच ललचा के मुआ दी
पिंड ना छूटे पाई
नज़रिया बदल लऽ
जीवन में फिर खुशी खिल जाई

काम से केहू बाँचल नइखे
देवता पितर लोग लुगाई
मद मतवाला कर के छोड़ी
केहु के जान ना बच पाई
नज़रिया बदल लऽ
जीवन में फिर खुशी खिल जाई

मोह–माया तऽ घेरलस जिनगी के
रोज जात बा अझुराई
नज़रिया बदल लऽ
जीवन में फिर खुशी खिल जाई।

www.bhojpurisahityangan.com

केहू फुटहा के मुहताज रहे

कहत कहानी प्रेम के
सुनत बा सब लोग
केहू मस्त बा भोग में
केहू जगावत बा जोग
जेकर जइसन करनी
ओकर ओइसन भरनी
केहू खात बा लंगड़ा
केहू खात डुमरांव के खिरनी
अक्षत अक्षत हम बटोरनी
खाइल केहू अउरी दोसर
बात तऽ कुछुओ नइखे
कब ले ई खाड़ बा ओसर
समय-समय के बात बा
केहू फुटहा के मुहताज रहे
आज बइठल सिंहासन बा
कथा कहानी के अंत नइखे
मन के मारल जरुरी बा
दुनिया के तऽ बस मसाला चाहीं
सिंहासन पऽ बइठल कुशासन बा।

www.bhojpurisahityangan.com

सिपाही के नौकरी

पूछ बढ़ गइल बा बबुआ के
सिपाही में नौकरी करत बा
अगुआ पऽ अगुआ के
दुअरा पऽ भीड़ लागत बा
इ कवनो साधारण बात नइखे
आज के जमाना में
जहँवा आरक्षण पऽ आरक्षण
भइल बा
ओहिजा सवर्ण समाज के
लइका-लइकी के
कहँवा केहू पूछत बा
एह परिवार पऽ
भगवान के किरिपा के
बरसात भइल बा
ओहिजा तऽ
बिछलहट होखत बा
लइकियो
सुनर सानर मिले के चाहीं
अउरी पढ़ल लिखल होखबे करी
नौकरियो करत होखे
तऽ का पूछे के
माल पानी तऽ चहबे करी।

www.bhojpurisahityangan.com

कारु के कड़कड़हट

कारु के कड़कड़हट से
कप टी गइल फेंकाय
तातल खूब रहलहीं रहे
अउरी देले डेरवाय
मचल हंगामा टी लैब में
काहे कइलऽ अइसन काम
चंदन छोटे फायर हो गइले
मत करऽ केकरो के बदनाम
तोहरे पऽ बड़ुए भरोसा
काहे कइलऽ अइसन घात
अबकी बेर चेतावल जात बा
नाहीं तऽ होखि बहुते आघात।

www.bhojpurisahityangan.com

हम गाँव के हईं

हम गाँव के हईं
हई देखीं जी
हम गाँव के हईं
तऽ का भइल
केकर देहिया
हमरा से साफ बा
के हमरा से रूपगर बा
के हमरा से
काम करे में तेज बा
राम राम छिछि
ओह दिन ना बुझाइल रहे
काहे देहातिन संगे
फँसे जा रहल बानीं
हम त ऽ पहिलहीं
साफ साफ कह देले रहीं
बीए पास हईं
गाँवे के कालेज से पढ़ल बानीं
बहुत हम तेज ना हईं
बाकी बीए के डिग्री बड़ुए
नौकरी ना करीं
नौकरी करबो ना करब
घर-परिवार में हमार
खूब मन लागला
तरह तरह के भोजन बनाइना
घर दुआर

www.bhojpurisahityangan.com

पोंछपाछ के साफ सुथरा रखीना
अइला गइला के सेवा सत्कार करींला
सास ससुर के
आपन बाप मतारी जइसन जानीं ला
ननद आ गोतिनी संगे
मिल जुल के रही ना
शहर के जहर ना हईं
जे कह ला कुछ आ कर ला कुछ
चालू ना हईं, बतफरोश ना हईं
ईमानदारी से काम करी ना
मन भर खटी ना
भरपेट खाइ ना
काम से घबराई ना
तबो लोग कह ला
ई गाँव के देहाती औरत हई
ई सभ सुन सुन के
हमरा देही में तितकी लाग जाला
मन बेचैन हो जाला
हमरा ना बुझाय
जे शहरी बा
हमरा से कइसे नीमन बा
आ हम गाँव के हईं तऽ
केहू से कइसे जबून बानीं
सास ससुर से ले के
सवाँग के तेल पानी
हम करत बानीं
एकरा बादो

www.bhojpurisahityangan.com

ई गाँव के हई सुनत बानीं
आज दुनिया
देखावा में परेशान बिआ
दिन रात एने ओने
लोगवा के घुमत धिआ
नजर के पानी खतम हो गइल
अब रहिये का गइल
तबहियों कहेलन लोग
ई बाड़ी गाँव से आइल
हम तऽ कही ना हरदम
एह में लजाये के का बा
हम तऽ गाँव के हईं
लाज ओकरा लागे के चाहीं
जे कहत बा हम हईं शहरी
घर में पारत रहत बा चिचिहरी
सभे भइल बा बेहोश
देखावे में खलिसा आपन जोश
हम तऽ सभ केहू से
सभ कुछ कह सुन के
समझा बुझा के आइल बानीं
हम तऽ आज ले घर में
ना आग लगवले बानीं
ना कबो बरसवले बानीं पानी
माई जवन बतवले बिआ
ओकरा के हम तऽ
सभ कुछ मान के
परिवार संगे बानीं।

www.bhojpurisahityangan.com

दुनिया के रीत गजब बा

पनिया खातिर तरसत जीव
का करब ले के घीव
दुनिया के रीत गजब बा
ए भइया नदी किनारे ठाढ़ बानीं
ओह पार गइल बा नइया ए भइया
पनिया अथाह भरल
भीतर डर लागत बा ए भइया
केहू दुख बूझत नइखे
हमरा से पूछत नइखे ए भइया
टुकुर-टुकुर देखत बानीं
अफतरा के सहत हम ए भइया
हो गइल बहुत देर
गंगा जमुनवा के तीर ए भइया
खेवइया हम देत बानीं
तबहुँ ना सुनत बाड़े पीर ए भइया
इहे खेल तकदीर हऽ
सभ केहू एही से खेलत बा ए भइया
खेलकूद करत करत
दुख हमार बुझले कन्हैया ए भइया
देख देख मुसकइले
कब हमहुँ भइनी ओह पार ए भइया
तोहरा शरण में बानीं
हमरा गलती के माफी दीह ए भइया।

www.bhojpurisahityangan.com

पास ना एको पाई

जगत में जान कहाँ से आई
काम धंधा चउपट भइल बा
पास ना एको पाई
जगत में जान कहाँ से आई

सरकारी तंत्र बिगड़ल बा
नइखे कवनो सुनवाई
जगत में जान कहाँ से आई

सरकारी नौकरी खतम भइल बा
वेकेंसी कबहिंयों ना आई
जगत में जान कहाँ से आई

खेत खरिहान परती परल बा
फ़सल कइसे उपजाईं
जगत में जान कहाँ से आई

विद्यार्थी सभ दुखी भइल बा
छूटल जाता पढ़ाई
जगत में जान कहाँ से आई

भाँड़ा-भाँड़ी खाली परल बा
बोरा बोरी में अनाज ना पाईं
जगत में जान कहाँ से आई

www.bhojpurisahityangan.com

करजा पऽ करजा बढ़ल बा
देनदारी कइसे दिआई
जगत में जान कहाँ से आई

लड़िका-लड़िकी सेआन भइल बा
कइसे बिअहल जाई
जगत में जान कहाँ से आई

बाप मतारी बोझ बनत बा
दमा खोंखीं खाई
जगत में जान कहाँ से आई

एही सभ से भेद भइल बा
केहू कइसे अपनाई
जगत में जान कहाँ से आई

मन छटपटा रहल बा
नइखे कवनो दवाई
जगत में जान कहाँ से आई।

www.bhojpurisahityangan.com

पतिया लिखत बिआ

पतिया लिखत बिआ सन्मतिया
सईंयां दूर कर बिपतिया
खोजत बानीं रहिया बटोहिया
आपन सनेसा केकरा से भेजवाईं
होइहें ऊ कवना ठइयाँ
पतिया लिखत बिआ सन्मतिया

कहँवा होइहें सजनवा बैरी
जात होइहें कवना रहिया
दिन भर माछी मारत बानीं
मच्छर मारत बानीं रतिया
सजना मोर होइहें कवना ठइयाँ
पतिया लिखत बिआ सन्मतिया

देखते देखते सिर पर मोरा
सवार हो भइल बरसतिया
ना उन्हकर ना हमार मिलत बा
केहू के एकहु संघतिया
चारहुँ ओरिया से घेरलस अफतिया
पतिया लिखत बिआ सन्मतिया

दिनवा रतिया काटत बड़ुए
सुन्न भइल बा महलिया

www.bhojpurisahityangan.com

कबहुँ सुखात जल नइखे अँखिया
नइखे कवनो एको गोदिया
हमहुँ कुछ कहतीं, सुनतीं ओकरो बतिया
पतिया लिखत बिआ सन्मतिया

पिया पिया रटत बा मनवा
फाटल जात मोर छतिया
लउकत नइखे कवनो उपइया
छछनत काटत बानीं समइया
भइल बानीं हम दुखिया भइया
पतिया लिखत बिआ सन्मतिया।

www.bhojpurisahityangan.com

हरि ओम् बोल रे मनवा

हरि ऊँ हरि ऊँ हरि ऊँ
बोल रे मनवा
दुनिया भर में आग लागल बा
बुझा दे रे मनवा
अदिमी अदिमी के शत्रु भइल बा
मेल करा दे मनवा
हरि ऊँ हरि ऊँ हरि ऊँ
बोल रे मनवा

होत जहँवा अत्याचार बा
मुँह खोल रे मनवा
लूट पाट खून खराबा मचल बा
ओह के रोक रे मनवा
हरि ऊँ हरि ऊँ हरि ऊँ
बोल रे मनवा

बुराई जन जन में भरल बा
निकाल दे मनवा
सदाचार अपनावे के चाहीं
सद्विचार रे मनवा
हरि ऊँ हरि ऊँ हरि ऊँ
बोल रे मनवा

गुरु के संग जरुरत सभ का
देर मत कर रे मनवा
जहँवा श्री हरि कथा होत बा
चल के सुन रे मनवा
हरि ऊँ हरि ऊँ हरि ऊँ
बोल रे मनवा।

www.bhojpurisahityangan.com

आइल बुढ़ापा

आज बुझाइल
आइल बुढ़ापा
देख के खोमचा
खाये के मन भइल गोलगप्पा
सुनले बानीं
पढ़ले बानीं
बुढारी में बढ़ जाला टिसुना
मन बस में ना रहि जाला
बात बात में खो देला आपा
हरेक बुढ़वन के एके हाल
सुनल ना चाहे आल जाल
कहलस जे होखे के चाहीं
नाहीं त ऽ तोर देखब ना परछाहीं
आइल बुढ़ापा
मति मराइल
लइका बुढ़ बरोबर भइल
दुनों के सेवा चाहीं
नाहीं त ऽ हल्ला होखी
घर माहीं।

www.bhojpurisahityangan.com

गोदिया में नइखे कवनो

हमरा के लेले जइह
सईयाँ संगहीं बधार,
चाहे केहू कहे हमरा के
पागलपन के शिकार,
सईयाँ लेले जइह हमरा के
संगहीं बधार,

कटिया करब हमहुँ
बिनिया करब सईयाँ
तोहरा से करबि प्यार,
तोहरा बिनु कइसे काटब
समइया हमहुँ
बिनु देखे होखब निरझार,
बान्हीं बान्हीं बोझा बलमुआ
ढोअबि खरिहनिया
सुत जाइब पुआर,
गोदिया में नइखे कवनो गदेलवा
सईयाँ केकरा करीं दुलार,
घरवा में कइसे रहबि अकेले
लागी नाहीं मनवा हमार ।

www.bhojpurisahityangan.com

मत दउड़ रे भाई

मत दउड़ रे भाई
दुनिया के रेस में
पहचानल जाई
जब तोहार फेस के
होइहें जग हँसाई
ई उहे मलुआ हऽ
ई उहे ठलुआ हऽ
जे कइएक साल से
ठेलाइल आवत बा
ई उहे मलुआ हऽ
हमार ए भाई
जे घर-घर जाके
बेचत रहे दुनंबरी दवाई
दुनिया के एह रेस में
मत दउड़ रे भाई
एक दिन तोहार चेहरा
जब पहचानल जाई
तब होखी जग हँसाई।

www.bhojpurisahityangan.com

मोंछ

एगो युवक के सिपाही में
नौकरी मिल गइल
कुछ दिन के बाद
विवाह हो गइल
विवाह के बाद पत्नी
घर आ गइल
ससुराल से जब मायके गइल
नइहर में सखी-सहेली
हाल-चाल पूछे लगली
तब आपन पति के
बखान करे लगली.....
बड़-बड़ मोंछ बा मरदा के
फाँकत रहला ऊ जरदा के
उड़ावत चलला गरदा के
हटावत रहला ऊ परदा के
इहे हालत बा बेदरदा के।

www.bhojpurisahityangan.com

धनरोपनी

सईयाँ आइल बा समइया
अब खेतवा चले के
बिअड़ा में तइयार बा बीआ
जिम्मा ले लऽ उखाड़े के
हमहुँ पोंछटा खोंस खाँस के
तइयार बानीं रोपे के
सातवाँ महीना भले भइल बा
हमार मन बा झूके के
घाम होखे चाहे बदरी सईयाँ
कबो नइखे रुके के
छाता छाती के कवन काम
आदत बा माटी से चेहरा पोते के
खेत खखाइल बड़ुए सईयाँ
जरुरत बा पानी के
एकर चिंता मत कर धनिया
मुँह फेर देब पानी के
आज रोपत बानीं धान सईयाँ
एह में काल्ह काटब सोना के
खरिहान में दँवरी करब हम
भर देब घर के कोना-कोना के
सालों भर आराम से खाइब
लाभ लेब पसीना के
हमरा से दोसर केहू नइखे
बहुत बढ़-चढ़ के
दुनिया भर केहू कुछुओ कहावे
हमरे पदवी मिलल बा अन्नदाता के
सईयाँ आइल बा समइया
अब खेतवा चले के

www.bhojpurisahityangan.com

अलसाये के नइखे तनिको
तू बेटा हव किसान के
हमहुँ थोरिको पीछा ना रहब
बेटी हईं किसाने के
धरती माई के गोड़ लागत बानीं
इनके से बा मरे जीये के
सालों खाइला हम बहुते प्रेम से
सतुआ पीसाने के
धरती माई के गोद कबहुँ सूखे ना दीं
राखीना हरदम हरीअर बना के
मन में सुख हम तबे पाईना
जब गीत गाईना धनरोपनी के
हम केहू से भेद-भाव ना जानीं
करत होखीं धनरोपनी राजा भा प्रजा के
सभ कुछ हम भोगले बानीं
का चीज ह ऽ सुख दुख किसान के
करजा से कबो राहत मिले ना
किसनवा देखे धरती आसमान के
धनरोपनी के गीतन के गावत हम
भुला जाईं ला दरद करज के
चिंता फिकिर से रात रात भर
नींद ना आवे ला मरद के
दुनों परानी बइठ के अलगा
उपाय सोचीं ला करजा चुकावे के
का करीं आदतन लाचार बानीं
धनरोपनी के गीत गावे के।

www.bhojpurisahityangan.com

आदमी

चलते-चलते जब राह भुला जाला आदमी
तबो ओकरा के खोज लेला आदमी
करम के फेर में जे फँस गइल
ऊ कबहिंयों ना निकले ला आदमी
जरुरत से ज्यादा जे चल्हाँक हो गइल
ऊ कबहिंयों ना उबरे ला आदमी
केहू कतनो छिपाओ ना छिपी
ओकरा के ढूँढ लेला आदमी
मंसूबा त ऽ पाल के रखले बानीं
ओकरा के पूरा ना कर पावेला आदमी
लोग चाहत बा बटोर लीं सब-कुछ
बाकी कबहिंयों बटोर ना सके आदमी।

www.bhojpurisahityangan.com

हज़्म होखे

बात कुछ अइसन कहीं जे
सबकर हज़्म होखे

ऊ सबकर समझ में आवे
आ ओकर वजन होखे

तनिके में मन मरुआ जाला
जइसे दबल होखे

इंसान जब कुछुओ कहेला
जइसे सुनल होखे

राजनीति के रूप रंग बदलल बा
जइसे लफंगई बढ़ल होखे

www.bhojpurisahityangan.com

किसान के गीत

कोड़त कोड़त
खेत के भइया
जिनगी बीत गइल
उहे कुदारी
उहे खुरपा
हँसुआ के धार
मुर्ह गइल
हर हेंगा
घुमावत घुमावत
जिनगी बीत गइल

ऊँचा खाला
टाँड़ टिपुर
बरोबर ना भइल
धूप घाम में
देह सुखावत
दिन गुजर गइल
मौसम के मार
झेलत झेलत
हड़री लाग गइल
उहे कुदारी से
आर पगार
काटत काटत
जिनगी बीत गइल

www.bhojpurisahityangan.com

घर वाली के
उहे बा साड़ी
अब चिथड़ा हो गइल
हमरो देहिया के
गमछा मिरजई
फाटले के फाटल रह गइल
महँगाई के मार
अइसन बा
सुबहित भोजन ना भेंटाइल
लइकन के
फीस देबे में
पसीना छूट गइल
सरकारी सुविधा
नाम मात्र के
उहो कर्मचारी ले गइल
सालों भर के
खरचा पानी
जुटावल मुश्किल हो गइल
लइकन के
शादी विवाह में
देहिया करज से लदा गइल
हम किसान
कतना सुनाईं
आजु ले सुख ना भेंटाइल
कोड़त खानत
खेत के भइया
हमार जिनगी बीत गइल

www.bhojpurisahityangan.com

कहे के किसान
हवे अन्नदाता
इनकर कचूमर निकल गइल
सालों साल
खबर प खबर
कतना किसान के जान गइल
के बा पूछनिहार
सब मुँह फेर के
दायें बायें भाग गइल
रोग व्याधि से
ग्रसित जीवन
दवाई बिना झाँझर हो गइल
हम हईं किसान
देश के गुमान
एही से हाल बेहाल हो गइल।

www.bhojpurisahityangan.com

पेंसिल से लिख लिख

पेंसिल से लिख लिख
रबड़ से जात बा मिटावल
घर दुआर लिप लिप
रंगोली से जात बा सजावल
अंकन के जोड़ जोड़
अंकन से जात बा घटावल
मेहरारू से हार हार
मरद के जात बा समझावल
राजा-रानी के स्वागत में
मंच जात बा सजावल
देश भर के नामचीन के
गइल बा बुलावल
मुख्य एजेंडा से शायद
धेआन के बा भटकावल
विपक्षी दल के कहनाम बा
जनता के बा अझुरावल
विधायक सांसद के चोला में
सामंती मन बा घुसावल
कहत बाड़े अयोध्या साँच-साँच
ई नइखे बात बनावल
जनता के सेवक के नाम पऽ
कई कई गो वेतन पेंशन
जात बा हथिआवल
ई सभ खेल ह अंकन के
हमनी के जात बा खेलावल
पेंसिल से लिख लिख
रबड़ से जात बा मिटावल।

www.bhojpurisahityangan.com

कइसे जाईं दुअरवा

अंगनवा कदई कदई भइल सजनवा
माह भदई आइल बा
कइसे जाईं दुअरवा
हमार सैंडिल भुलाइल बा
कर द तनि सा मददवा
हमार मनवा अउंजाइल बा
नइहर में ना अइसन हलतवा
हमार जीव घबराइल बा
सालों ना लागल बा तबहिंयें
झेलत बानीं दुरदसवा
हमार माथा में बाथा
समाइल बा
आजुए भेजब खबर नइहरवा
मन मोर भाग पराय भइल बा।

www.bhojpurisahityangan.com

ए माई हमहुँ कथा सुनाइब

ए माई हमहुँ बाबा बनब
लोग-बाग के प्रवचन सुनाइब
गोड़हरिया लोग करबे करी
पइसो खूब कमाइब
अतने ना जेकरा के चाहब
ओकरा के अंगुरी प नचाइब
दूर देश में नाम फैली
शोहरत खूब कमाइब
चरनधूरि खातिर मारा-मारी
भगदड़ खूब मचवाइब
सोना चाँदी के गहना गुरिया
जत्थादारन से लूटवाइब
बाबा के नाम प
तरह तरह के धंधा से जुड़ जाइब
राजनीतो में पैठ बनाइब
एह देश में ना जाने कतना
'पाल' बाबा बन गइले
हमहुँ अयोध्या पाल बन के
जनता के मुरुख बनाइब
तरह तरह से बात बना के
अंधविश्वास फैलाइब
मिल जाई माई अवसर हमरा
मालामाल जल्दिये हो जाइब
भीड़भाड़ में मरला जीअला से
हमरा का बा मतलब

www.bhojpurisahityangan.com

हम त बाबा बन के रहब
नेता जी सभ उहे करीहें
जवन हम उनुका के कहब
समय समय पऽ खरच बरच के
रोपेआ देत रहब
मनोरंजन करे खातिर
चिरईन के भेजत रहब
बुद्धिजीवी वर्ग के एहसास कराइब
हमहुँ बुद्धिजीवी हईं
बहला–फुसला के
पइसाकौड़ी बाँट–बूँट के
शहर–शहर आपन पक्ष में
गोष्ठी खूब कराइब
भारत के जनता भूत भभूत से कबो ना उबरी
कबो कबो ऊ लोग के
आमंत्रित क के
नीमन भोजन कराइब
जनता के मन टटोलले बानीं
लोभ–लालच से भरल बा
थोरिके खरचा में सब आपन हो जाई
ओह सब के सुभाव बड़ सरल बा
ए माई हम अंतिम फैसला कइले बानीं
हमहुँ बाबा बनब
जनता के मन भरमा के
इज्जत अउरी पइसा लूटब।

www.bhojpurisahityangan.com

श्याम से यारी

ए हो ब्रजनारी
काहे देत बाड़ू गारी
उद्धव केहू
दोसर ना
श्याम से बा
इनकर यारी
आइल बाड़े
ज्ञान के ले
के मोटरी
लवटत समय
सिर प रखिहें
प्रेम के गठरी
ई ब्रज ह मालूम बा
जे आई
ऊ प्रेम में फँसबे करी
बहुत भाग्यशाली
बाड़े ब्रजवासिन
जे दिन रात सुनत बा
बाजत श्याम के बाँसुरी।

www.bhojpurisahityangan.com

झूठ-साँच के इज्जत

जाँगर थाक गइल मोर सईयाँ
हमरा से कुछुओ अब ना होई
सब कुछ देखते बाड़ी मलकिनी
उनुका सोझा अब कतना दिन ले रोईं
मेहरारु होके हम ऊ सब कइनी
मरद होके तू ऊ सब ना कइलऽ
एकरा के तू बुरा मत मानऽ
झूठ साँच के इज्जत कब ले ढोईं
गइल जमाना केहू ना पूछी केकरो के
आपन दीदा बेमतलब के काहे खोईं
पीढ़ी दर पीढ़ी खतम हो गइल
पेट भरल ना केकरो कबहुँ
केहू के आदत छूटते नइखे तबहुँ
अब तूं ही बताव हम केकरा आगे
घूम-घूम के रोईं
जाँगर थाक गइल मोर सइयाँ
अब हमरा से कुछुओ ना होई

शोर मचावल गइल रहे देश-विदेश में
अबकी बारी आई सुराज
बीत गइल शोर-शराबा कहिए
ज्यों के त्यों हालत बड़ुए आज
अब हम पूछत बानीं तोहरा से
ई ढोल नगाड़ा कब ले पीटल जाई

www.bhojpurisahityangan.com

हमरा से अब कुछुओ ना होई
अब तक दुनिया ना बदलल
त अब का बदली
हँ बदल गइल बा रंग ढंग भाषा के
बोले के छूट मिलल बा
जवन मन में आई उहे बोलल जाई
जाँगर थाक गइल बा मोर सईयाँ
हमरा से कुछुओ अब ना होई।

www.bhojpurisahityangan.com

खेतवा के ओर

चलु रे किसान भइया खेतवा के ओर
पनिया पहुँच गइल एह छोर से ओह छोर
बीअड़ा में कबरिया उखाइत बाड़े बीआ
रोपनीहारिन मचवले बाड़ी खेतवा में शोर
चलु रे किसान भइया खेतवा के ओर

अरिया पगरिया प बिछली भइल बा
कपरा प बीचड़ा के बोझ ले ले बा कबरिया
रोपनीहारिन के तगादा अलगे बा
मलिकार रउआ लेबे के चाहीं खोज खबरिया
तब तक पहुँच गइले माथे लेके बोझढोवा
रोपनीन इशारा कइली देखी के पनसोखा
हथवा में लेले अँटिया रोपत बाड़ी बान
गावत बाड़ी सुर में सुर मिला के रोपनी के गान
अरिया पगरिया प घुम घुम के सुनत बाड़न किसान
कबो कबो हवा बहे कबो बरसे पानी
मजकिया किसान भइया रोपनीहारिन से कहे
सुन मोर जानी
हँसिया ठिठोलिया में बीत जाये दिनवा
हरदम अझुराइल रहे सबकर मनवा
बदरा ऊपर से घुम घुम के देखे चहुँओर
चलु रे किसान भइया खेतवा के ओर।

www.bhojpurisahityangan.com

रउआ के धन्यवाद

मन के मुराद पूरा ना भइल
जमाना हमरा के भूल गइल
पानी बिनु कंठ सूख गइल
सपना पूरा कबो ना भइल
बात बात में हो जाये झंझट
देख हँसे पनिहारिन पनघट
एह भीषण गर्मी में सूखल
प्रेम विवाह रहे काहे टूटल
झटका हरदम खात रहल
पनघट से खलिहा लवटल
का कहीं जिनगी के हाल
मन में उठत बा ढेर सवाल
कहँवा जवाब हम पाइब
एही अवसर प आजमाइब
जे जन करिहें हमरा से संवाद
रउआ लोगन के बा धन्यवाद
सूखल कंठ के जे तर करी
पनिहारिन से ऊ प्रेम करी
जीवन के बा अजब कहानी
सभकर एकही बा परेशानी
भीषण गर्मी आग बा उगिलत
बाणी सभ केहू के विगलित

www.bhojpurisahityangan.com

सूख गइल घइला के पानी
नइखे कवनो ओकर निशानी
पानी बिनु तरुआ चटकत बा
मृगतृष्णा बन मन भटकत बा
जिनगी के मिली कहँवा छाँह
चारु ओर से निकलत बा आह
बंद भइल बा सगरो के राह
अब नइखे कवनो मन में चाह।

www.bhojpurisahityangan.com

हिन्दी भुला गइल

सूरत के फेर में पड़ के
सीरत भुला गइल
अंगरेज बने के फेर में
हिन्दी भुला गइल
ना रह गईनीं कवनो काम के
अयोध्या छितरा गइल
जमाना तरस खाये देख के
नसीहत मिलत रह गइल
साईस समझत रहे चाल घोड़ा के
सीध करत रह गइल
हुल्लड़बाजन के का बा पूछे के
डंका बजावते रह गइल
एह सबके चक्कर में
हिन्दी भुला गइल।

www.bhojpurisahityangan.com

दुआरे बरिआत

दुआरे बरिआत जब आइल
समधी के मुरेठा भुलाइल
समधी के कम समधिन के
कुछ अधिका बुझाइल
मजाक समधी से अधिक
समधिन से भइल
बाजा बाजत रह गइल
केहु के ना बुझाइल
मुरेठा मिलल ना मिलल
कि भुलाइले रह गइल
दुआरे बरिआत आइल गइल
ना जनाइल
समधी समधिन के लगा के
खूब गारी दिआइल
बती भक भूक करत रह गइल
कबो बरे त ऽ कबहिंयों बुताइल
बरात दुआरे आइल
समधी के मुरेठा भुलाइल।

www.bhojpurisahityangan.com

सुतल बाड़े सईंयाँ

टुटी गइले नीनिया
ए राम रइया
सुतल बाड़े सईयाँ
ए राम रइया
हँसेली सभे सखिया
ए राम रइया
मराई गइले मतिया
ए राम रइया
भुलाई गइले रहिया
ए राम रइया
नाहीं अइले कन्हैया
ए राम रइया
लेत बाड़े जम्हइया
ए राम रइया
जागि गइले सईयाँ
ए राम रइया
अब बहेला पुरवइया
ए राम रइया
बोलावे देवी मइया
ए राम रइया
खेले कूदे कन्हैया
ए राम रइया
जाग गइल दुनिया

www.bhojpurisahityangan.com

ए राम रइया
टूटी गइले नीनिया
ए राम रइया

बदल गइले समझ्या
ए राम रइया
पार भइले नइया
ए राम रइया
नाहीं रहले दुखिया
ए राम रइया
गाँवें गाँवें मुखिया
ए राम रइया।

www.bhojpurisahityangan.com

हम ना जाइब कचहरिया

हम ना जाइब कचहरिया
अबहीं दुपहरिया भइल बा,
कुछेक दिन पहिले सुनले रहीं
शहरिया लुटाइल बा
ई लुटेरवन के मारे दिन भा रतिया
नीन हराम भइल बा
पुलिस सिपहिया के हाल त ऽ
कुकुर बिलार के भइल बा
पहरेदार हवन कवना काम के
जब सभ अकिल हेराइल बा
सभ से नीमन बड़ुए भइया
घर में चुपचाप रहल बा
नइखे कतहुँ आवे जाये के
मारकाट सगरो मचल बा
सहमल बिया दुनिया
हम ना जाइब कचहरिया।

www.bhojpurisahityangan.com

सभे जान गइल

ए गोरिया तोहरा
गुमान कवना बात के,
खाद-पानी के
जोगाड़ मुश्किल भइल बा,
कवनो ठेकाना नइखे
दिन अउरी रात के,
अचके में तोहार मतिया में
का घुस गइल बा
काहे चलत बाड़ू
तुहुँ बउरात बे बात के
साँचहुँ जिनगी काटल
पहाड़ भइल बा
दुखवा तंग करत रहत बा
हरदम दिन-रात के
झुठहुँ के रूपवा में
मनवा भुलाइल बा
कवनो कामे ना आई
रोवे पड़ी रात बिरात के
सचमुच एही में मनवा तोहार
लपटाइल बा
अब त सभे जान गइल
तोहार अवकात के।

www.bhojpurisahityangan.com

बान्हीं के पगरिया

बान्हीं के पगरिया राजा
गइले खेतवा के ओर भोरे-भोर
नइखे कवनो लवटे के
उनुकर ओर छोर
कान्हीं प ऽ लउरिया धइले
दहिने हाथे लोटवा के डोर
राजा भोरहरिये गइले
पूरबारी खेतवा के ओर
अबहीं से अइले नाहीं
खरमेटाव कइले नाहीं
दतुअनिया त ऽ घरहीं गइले छोड़
पिया अकुतइले
गइले खेतवा के ओर
कवना उपइया से
सईंयां के बोलाई हमहुँ
देवरवो अबहीं नइखे अँखफोर
पगरिया बान्हीं बलमा
गइले मोर खेतवा के ओर।

www.bhojpurisahityangan.com

एकर गारंटी के लीही

कब तक घरवा में होखि ना चोरी
एकर गारंटी के लीही रानी मोरी
चोरवन के चाल त ऽ छिपल नइखे केहू से
ओहनी के गतिविधि बूझे ऊ मरद से
कतना कुछ लिखीं गाथा ओरात नइखे
ओहनी के छुदरई से कुछुओ घोंटात नइखे
घरवा से ले के देसवो त ऽ परेशान बा
सुरुज उदित भइले आगे दिवसावसान बा
होनहार के कवनो खास पोंछ ना होखे
हर मरदानगी के कवनो मोंछ ना होखे
तबहियों हथवा मोंछिया प ऽ चल जाला
देखि के बहुत लोगन के पाँव उखड़ि जाला
लोग भाग पराय लागला गिरत परत भहरात
बुझा जाला नीमन से आपन अवकात
सीमा के नाम सुनते बहुत जना सिकुड़ जाला
तोप के गोला के गरजल सुनि के कुकुड़ जाला
तबहियों लाज डर छोड़ि के बनल मुँहबोला
बिजुरी जब अकासे तड़तड़ाली
त ऽ कहेलन धरती डोलल
ईहे जिनगी प ऽ करत रह गइले गुमान
आज तक ले उनुका ना बुझाइल
आपन नफा-नुकसान
कहत बाड़न बुड़बक अयोध्या आपन मन के बात
अइसन लोगन के आपन बेवहार से मिलत रहला लात।

www.bhojpurisahityangan.com

जाम पहचान बा

आरा शहरिया के भइया
जाम पहचान बा
ठाँवे-ठाँवे बनल
फल मिठाई के मचान बा
केहू कवनो उपाय करी
तबहियों जाम से जान ना बाँची
बाईपास रोड जब तक ना बनी
इहे बात बा साँची
कतनो अधिकारी अइहें जइहें
कवनो फर्क ना पड़ी
पुलिस कतनो कप्तानी करे
चाहे घुमावे डंडा छड़ी
शहर के जनता मुअत जीअत बा
जाम में हर घड़ी
कतनो एम्बुलेंस सायरन बजावे
चाहे रोगी के बंद होखे नड़ी
हे भगवान अइसन जाम से
हमनी के निजात दिलवाव
शहर भर के रोगियन के
परान के बचाव।

www.bhojpurisahityangan.com

फुलवरिया में

फुलवरिया में जनि जा ए मोरी ननदी
जहँवा नागवा करे फुफकार
फुलवा लोढ़त जब रहबु ए मोरी ननदी
अचके में करबु तब हाहाकार
नाहीं रहिहें तोहार भइया ए मोरी ननदी
हमरा पऽ तोहार नइखे एतबार
हमरो तऽ बतिया मान लऽ मोरी ननदी
फेरु से करि के मनवा में विचार
नाहीं तऽ होखि जग हँसाई ए मोरी ननदी
बिअहवा ना होखिहें तोहार
अकेलहीं फुलवरिया जनि जा ननदी
जहँवा आवत-जात हजार।

www.bhojpurisahityangan.com

खा के भंगिया के गोला

बउरा गइले सईयाँ,
बउरा गइले सईयाँ
खा के भंगिया के गोला
औघड़ दानी कहीं
कि कहीं बम-भोला
बसहा सवार हो के
घुमे गाँव टोला
बउरा गइले सईयाँ
खा के भंगिया के गोला
बउरा गइले सईयाँ

बर के बराती में
गावे झूमे भूत-प्रेत बकलोला
केहू चले पैदल,
केहू हाथी घोड़ा,
केहू चले पलकी में
खात हिचकोला
सगरो हरहोर भइल
बरात आइल भारी
रंग रोगन कइल सभ चोला
बउरा गइले सईयाँ
खा के भंगिया के गोला
बउरा गइले सईयाँ।

www.bhojpurisahityangan.com

माई के याद करीं जा

माई के याद करीं जा
आईं जा याद करीं जा
कबहिंयों ना माई के भुलाईं जा
ना रहिती माई
बबुआ कइसे जनमते
उहे बबुआ जबे ना तबे
कइसे आँख गुड़ेरते
तबो माई हँस के रह जाली
बबुआ बेमतलब माई के
बक-बक बकेलन गाली
एकरा बादो माई
सोझा रखे भोजन के थाली
रात दिन चिंता में बबुआ के रहेली माई
तनिको सरदी बोखार भइला से
मंगवावली दवाई
माई त माई हई
जनि उनुका के भुलाईं
ममता के भंडार हई
केहू कतनो करज चुकाई
माई के रिन से
कबहिंयों छुटकारा ना पाई
एके दिन ना रे भइया
रोज रोज याद करीं माई
जनम लेला के फर्ज निभाईं।

www.bhojpurisahityangan.com

चुहिया अस लुकाइल बा

अरे जिन्ना के जामल
शेखी खूब बघारत रहले
हर वार पऽ जब प्रहार
होखत बा
तब काहे रोवे लगले
कवनो सूरत में ना बचबे
चाहे आपन दादा के बोलइबे
अइसन तू मार मरइबे
उठ के पानी ना पीअबे
पगला पाकिस्तान के हाल
कुकुर बिलार अस भइल बा
हर मोरचा पऽ मार खात बा
ओकर अकिल हेराइल बा
आगे बढ़े के हिम्मत ना
ओकरा पीछे जात लजाइल बा
पूरा पाकिस्तान थू थू करत बा
जाने कहँवा मुनीरवा लुकाइल बा
पाक सेना के हौसला पस्त भइल बा
चूहा चुहिया अस बिल में लुकाइल बा।

www.bhojpurisahityangan.com

आइल बाड़ी फुआ

ए माई
का हो बबुआ
मन करत बा
खाये के पुआ
ए बबुआ
का हो माई
घर में घीव नइखे
ए माई
का हो बबुआ
तब का होई
ए बबुआ
का हो माई
बाबूजी जब अइहें
दुकान से
सब कुछ लेबे जइहें
ए माई
का हो बबुआ
मन करत बा
खेल के अइतीं जुआ
तब ले तू बनवले रहीहऽ
हमरा खातिर पुआ
ए बबुआ
का हो माई
अइसन काम
मत कबो करी हऽ
आइल बाड़ी तोहार फुआ।

www.bhojpurisahityangan.com

ई लोकतंत्र हऽ

जब तक एह लोकतंत्र में
खरीदात बिकात रही
तब तक पइसा वाला के
बिछल विसात रही
हाह हूह से लोकतंत्र कबो घबराये ना
केहू के चकमा देबे से कबो चकमकाये ना
एही में केहू बा अइसन
जे काम निकालल जानत बा
अइसनो कुछ बउड़म बाड़े
जे माटी सानत बा
ई लोकतंत्र हऽ भारत के
एह में अंगूठा के बड़ा महातम बा
जोड़-घटाव बा जेकरा मालूम
उहे जानत दशमलव लघुतम बा
लोकतंत्र में नेता आ जनता के
गुणा-भाग जानल जरुरी बा
पक्ष विपक्ष दुनों के एक दोसरा में
सेन्ह मारल जरुरी बा
तबहिंयें मजबूत लोकतंत्र कहल जाई
नाहीं त ऊ मुअला में गिनल जाई
का हो लोकतंत्र तोहरा प कतना चर्चा होला
बाकी जेबी से ना खरच करे लऽ एको अधेला
एही से तोहरा दुआरी पऽ लागल रहे ला झमेला।

www.bhojpurisahityangan.com

भगमनिया

भगमनिया खेत खरिहान में
भर जिनिगी जीअल मरल
कबहिंयों ओकरा बचवन के
पेट ना भरल
जब ले जीअल भगमनिया
भाग्य प टिकल रहल
तबहियों ओकर जिनिगी
एको इंच एने ओने ना
बढ़ल ना घटल
ना जाने काहे ऊ भाग्य के
घुट्टी रहे पीअल
सभे समझावत रह गइल
बाकी शबरी जइसन पीछे ना हटल
रात दिन राम राम रटत रह गइल
भगमनिया भाग्य प अटल रह गइल।

www.bhojpurisahityangan.com

गोरखधंधा

मन हमार मनोरंजन छोड़ के,
तीसमारखाँ बनल चाहत रहे,
अइसन आइल आन्हींपानी
सब कुछ उजारपुजार देले रहे
अब त डींग हाँके के
मन में बल कहँवा
तिनका के सहारा भी ना बाँचल रहे
अब त अइसन दिन आ गइल
गरदन प लगातार छुरी चलत रहे
गोरखधंधा में जिनिगी अइसन पड़ल रहे
ओकरा से पिंड छोड़ावल मुश्किल भइल रहे
गिन गिन के दिन कटत रहे
गिरगिट अइसन रंग त हमार बदलत रहे
गरीबी में करीबी से मुँह लुका लुका के
एने ओने दिन रात घूम-घूम के
समय बीतावल जात रहे
ओइसन बुरा हाल में केहू
हमरा के मदद देबे खातिर तइयार ना रहे
सब समय समय के बात बा
जे कबहिंयों नून मरचाई के मोहाल रहे
ओकरा के आज हम देखनीं ह ऽ
रमुआ से मोबाइल प ऽ
हमरा सोझा बात करत रहे।

www.bhojpurisahityangan.com

चरवाही

गाय भईंसी के कइनी चरवाही
नोकरीयो में रहीं त
गाँवे लागल रहे आवाजाही
आज नूं हम पंगु बन के
झेलत बानीं तबाही
हम जानत बानीं एह सब
रोवला गइला के
कवनो माने मतलब नइखे
अंतिम विदाई तक ले
आपन सौगात कामे अइहें
दोसरा के असरा प
कब तक जीअल जाई
जब बोझ ढोवे खातिर केहू
तइयारे नइखे
हम एह बात के
नीमन से जानत बानीं
ई दुरदसा कइले बा
हमार लापरवाही
अब हम ना करब
गाय भईंस के चरवाही।

www.bhojpurisahityangan.com

रिक्शा हमहुँ चलाइब

बाबूजी पढ़ाई में मन नइखे लागत
रिक्शा हमहुँ चलाइब
भीड़भाड़ कबो रही तब
तोहरा के पहुँचाइब
आज के जुग में
नोकरी नइखे मिलत
चोरी क के हम ना खाइब
कम पूँजी में रिक्शा मिल जाई
बैंक से कर्ज पा जाइब
मेहनत क के किश्त भरब
दिन रात देह ठेठाइब
तोहरो उमिर त थाक गइल बा
बइठा के हमहुँ खिआइब
बाबूजी हमहुँ रिक्शा चलाइब
तोहार रिक्शा त कहिये से टूटल बा
टूट गइल बा तोहार देहिया
तोहरे में लागल बा नेहिया
अब तोहरा कुछ करे के नइखे
रिक्शा हमहुँ चलाइब
ई हमनी के खानदानी पहचान बा
एकरा के कवनो हाल में ना मेटाइब
बड़े बड़े कवि लेखक लोग
लिखले बा रिक्शा पऽ
कबो कबो तोहरा के कविता कहानी सुनाइब
हमहुँ रिक्शा चलाइब
बाबूजी रिक्शा शीर्षक कहानी के
नायक तोहरा के बनाइब
हमहुँ रिक्शा चलाइब।

www.bhojpurisahityangan.com

हैप्पी फादर्स डे

आज बहुत लोग
''हैप्पी फादर्स डे''
ना जाने काहे खातिर
मनावत बा
काल्हे लोग कहत रहे
ई बाप ना हऽ रे
राछस हऽ
सभ केहू के
सतावत बा
अजब मजाक उड़ावल
जात बा
बाबूजी के नया धोती कुर्ता
पेन्हा के
टूटल कुर्सी पर
बइठावल जात बा
ताली बजा बजा के
''हैप्पी फादर्स डे''
हँस-हँस के कहल जात बा
तरह तरह के
केक काट-काट के
खिआवल जात बा
आज घर-घर में
बाबूजी दिवस माने फादर्स डे
मनावल जात बा
पानी-पानी रटत रटत
बाबूजी के कंठ सूखल जात बा
हैप्पी फादर्स डे मनावल जात बा।

www.bhojpurisahityangan.com

कुछ पेंडिंग बा

मंजिल छुवे में मत देर करऽ
अबहीं बहुत कुछ पेंडिंग बा
निर्णय बहुत लिआइल बा
अउरी कुछ स्टैंडिंग में बा
हर केहू आपन-आपन ढंग से
जीये के तरीका खोजत बा
आँख मिचौली खेल खेलत बा
ना जाने का खोजत बा
एह संसार में जे केहू आइल बा
सभे कवनो ना कवनो
पेपर लीक करत बा
मचल तहलका देश भर में
लइकन के चिंता के करत बा
आपस में तू-तू मैं-मैं सभे करत बा
लइकन के हक में
एनटीए कहँवा कुछुओ करत बा
एके भरोसा बा
सुप्रीम कोर्ट केकरा पक्ष में
फैसला सुनावत बा
एकरे के का
विकसित भारत कहल जाई
विद्यार्थियन से काहे अदावत बा।

www.bhojpurisahityangan.com

फेसबुक

मरद मेहरारु
लइका लइकी
तरह तरह के
रूप रंग में
फेसबुक पर
आवत बा
मटकी मार के
हाथ चमका के
कमर हिला के
सब केहू से
एके बात पूछत बा
हम कइसन
लागत बानीं
लाइक करके
बताईं जा
देख देख के
मन माहुर अस
हो जात बा
यदि केहू से
कुछ कहे के
दुस्साहस करब त
बेमतलब झौवा
कपार पर
सवार हो सकत बा
रील बनावे के चक्कर में
इज्जत के बेचल जात बा।

www.bhojpurisahityangan.com

चिरईं

फुदकत बाड़ी चिरईं
घरवा अंगनवा
देखत बाड़ी रहिया
नाहीं अइले सजनवा
सजइले रहीं मन में
नीमन सपनवा
नाहीं होखी पूरा तऽ
घुट घुट के
निकल जाई परनवा
सब कुछ रहि जाई
तँवाइल एहिजे
घरवा दुअरवा
फुदकत बाड़ी चिरईं
घरवा अंगनवा
नाहीं अइले अबले
हमरो सजनवा।

www.bhojpurisahityangan.com

ताली

गाँव–गाँव में
शहर–शहर में
घूम–घूम के
खूब बजवलीं ताली
हर जगह लोग
आपुस में इहे बतिआवे
एकदम ई हउवे जाली
जवन फेर में
सगरो घुमलीं
हाथ रह गइल
खाली के खाली
पेट बेचारा
इंतज़ार करत रह गइल
बहुत दिनन तक
कबो ना भेंटाइल
भरपेटाह नीमन थाली
जहँवा–जहँवा हम गइनीं
कतहुँ ना
विश्वास बनवलीं
लोग बाग
हमरा के देखे आ
सामान के करे रखवाली
घूम–घूम के सगरो हम
खूब बजवलीं ताली।

www.bhojpurisahityangan.com

बहे पुरवइया

बहे पुरवइया, बदन झकझोरे
निनिया ना टूटे सनम भोर-भोरे
पीरीतिया पसारे, प्यार पोर-पोरे
छलकत बा अँखियाँ में लाल डोरे-डोरे
निनिया ना टूटे सनम भोरे भोरे

पिया परदेशिया बिछौना ना छोड़े
पकड़ले बा चदरिया कोरे-कोरे
बहे पुरवइया बदन झकझोरे

घरवा अंगनवा में सासु ननदिया रे
जात बानीं हम सगरो झाडू से बहारे
निनिया ना टूटे सनम भोरे-भोरे

फूटली किरिनिया मुस्कात आवे धीरे-धीरे
जात बानीं हम सगरो झाडू बहारे
जुल्मी पुरवइया तऽ देहिया के
पुरनको दरदिया उभारे
निनिया ना टूटे सनम भोरे-भोरे।

www.bhojpurisahityangan.com

पबजी

बबुआ मोर
तोहरा के समुझावत बानीं
पबजी छोड़
पढ़ लिख के बन जा ज्ञानी

माई मोर
एकर नइखे
दुनिया में कवनो शानी

बबुआ मोर
मतकरऽ मनके
ना त मिट जाई निशानी

माई मोर
नइखे कवनो चिंता फिकिर
रही कि जाई जवानी

बबुआ मोर
काहे तू अइसे बतिआवत बाड़ऽ
जइसे अभिमानी

माई मोर
समझ के फेर बा
हमरो से केहू बा स्वाभिमानी
पढ़ाई लिखाई के कहिये हम
छोड़ छाड़ देले बानीं
एही पबजी खेले खातिर
जान दाँव पर लगा देले बानीं।

www.bhojpurisahityangan.com

बाबा विश्वनाथ

ए बाबा विश्वनाथ हो
कब से बना के रखबऽ
हमरा के अनाथ हो
हम कुछ माँगत नइखीं
दरसनवा के भुखाइल बानीं
हमरा के काहे राखत नइखऽ
अपना साथ हो
बेलपत्र हाथ में बा
जल के लोटा साथ में बा
एको बेर फेर द
हमरा माथवा प हाथ हो
ए बाबा विश्वनाथ हो।

www.bhojpurisahityangan.com

हो गइले पागल

सुन ऽ ए भइया मोर
हमार बबुआ विदेशी हो गइल
ट्रेनिंग करे के नाम प
छव महीना खातिर जापान गइल
ओहिजा से खबर भेजलस
बाबूजी समय बढ़ गइल
अब हम डेढ़ साल के बाद
आरा आइब
माई दुखी भइल होखी
तब ओकरा के मनाइब
ई सभ बात सुन के
पहिले त नीमन लागल
बाद के कहानी सुन के
बाप मतारी के कपार फाटे लागल
अब त आरा आवे के नाम प
तरह तरह के बहाना बनावे लागल
बबुआ के बुरा हाल सोच के
बाबूजी माई हो गइले एकदमे पागल।

www.bhojpurisahityangan.com

मातृदिवस के बहाना बना के

माई बिना सून बा घरवा
माई बिनु सून बा दुआर रे
हथवा के ले ले माई झाडू बढनिया रे
भोरहीं बहारे ली घरवा अंगनवा रे
धीरे-धीरे बबुआ के देहिया दबावेली
फूटल किरिनिया कह के जगावेली
माई बिना बबुआ के दीही के दुलार रे
माई बिनु मिली नाहीं बबुआ के प्यार रे

बबुआ के नींदिये माई जागे अवरु सुतेली
बबुआ के खिआ के माई अपने त खा ली
बबुआ के राति दिन करे चिंता फिकिरिया
माई बिआ त सगरो बड़ुए अंजोर रे
माई बिना घरवा अंगनवा हो जाला अन्हार रे
कतहुँ से अइला प माई पूछे हाल-चाल रे
तनिको उदास देखे त
आँचर से बबुआ के पोंछे गाल रे
हँसत देखि के रूपवा माई हो जाली निहाल रे
माई के करजा चुकाई नाहीं केहू रे
माई के करनी भुलाई कइसे केहू रे?

मातृदिवस प माई के केहू याद करे भा ना करे
रग-रग में समाइल बड़ुए माई के साँस रे
हर घरी माई-माई मुँहवा से निकलला
दुखवा अफतिया में माइए जगावली विश्वास रे
एही माई के कपूतवन सब भेज देलन
अनाथालय में करे खातिर अधिवास रे
धिक्कार बा अइसन बेटवन के
जे तुर दिहल माई के आस रे।

www.bhojpurisahityangan.com

जुलुमी पुरवइया

जुलुमी पुरवइया
जुलुम कइले बिआ
नयका त नयका ह
पुरनको दरदिया के
बढ़वले बिआ
मुँहवाँ प लागे नीमन
पीठीआ में पसीना
बहावत बिआ
जुलुमी पुरवइया
जुलुम कइले बिआ।

www.bhojpurisahityangan.com

नेता

नेता लोग आपन खेती खातिर
खून पसीना बहावत बा
जनता के जनार्दन कह के
झूठ साँच फुसलावत बा
जब कुरसी पऽ काबिज हो जाई
जनता के भूल जाई
हर पाँच बरिस प इहे होला
जनता बुड़बक ढोवे झोला
जनप्रतिनिधि भइला के बा गुमान
जनता के करे तब अपमान
सामाजिक काम खातिर आवऽ
व्यक्तिगत रिश्ता मत बनावऽ
वोट देबे के होखी त दीहऽ
ना त आपन राह ध लीहऽ
अइसन अहंकारी अदिमी के
सबक सिखावल जरुरी बा
हमरे से राज करे ल
ई बतावल जरुरी बा
जनप्रतिनिधि कवना काम के
जे जनता के भगावत बा
अपने मुँह मीट्ठू बन के
आपन गुन गावत बा।

www.bhojpurisahityangan.com

तपिश

आसमान से रोज रोज
तपिश गिर रहल बा
देहिया के सहे में
दुलम हो रहल बा
इलेक्ट्रॉल पी पी के
कब तक जीअल जाई
कहिया ले छने छने
मुअल जाई
प्रकृति के दोहन
कब ले कइल जाई
प्रकृतिवादी संघो के देखले जाई
पहाड़ तऽ धधकत बड़ले बा
जंगलो में आग त लगले बा
ई मौसम अदिमी जीव खातिर
दुश्मन भइल बा
दिन-रात निकले से पसीना
देहिया सुस्त भइल बा
कूलर आ एसी
सब फेल हो गइल बा
लोग तऽ बरफ के चदर
खोज कर रहल बा।

www.bhojpurisahityangan.com

पियवा शराबी

पियवा शराबी
मिलल बा सखी री
कवना जनम के
पाप फल हम
भोगत बानीं री
सुबह शाम नशा में
रहला टर
समझइला प ऊ
देबे ला गारी
कइसन भइल समाज
सब कुछ
सहे खातिर
बनल बाड़ी नारी।

www.bhojpurisahityangan.com

केने बाड़ऽ बबुआ

जब से माई गइल
बबुआ ना सुनाइल
तब मन बउरा गइल
एक दिन जोर से चिचिआइल
हमार हाल जान के
माई घबराइल
हाथ हमार
चहलस धइल
ना पकड़ाइल
जाने कवन लोक से
ममता फफाइल
केने बाड़ऽ बबुआ
आवाज कान में आइल।

www.bhojpurisahityangan.com

जिला ससराँव

छोड़ के गाँव मंगरावँ
गइनीं जिला ससरावँ
गाड़ी पकड़नी
हम चल गइनीं
मराठवाड़ा
ओहिजा सीखनी मराठी
एगो दुकान में
बिना पईसा के खइनीं
चले बेरिया जब
मंगलस पइसा
कहनीं देत बानीं
तब कहलस
काहे देरी करत बाड़ऽ
बेमतलब के
हुज्जत करे लागल
तब हम कहनीं
हव का तू पागल
तब हाथ भांजे लागल
तब हम ओह के
मरनी बाँस फराठी
शहर बीच में
शोर मच गइल
हउवे ई ससरावीं
ई त हउवे बिहारी खाँटी
एकरा से केहू पार ना पाई
तइयार हो गइल करे खातिर हाथापाई।

www.bhojpurisahityangan.com

बगावत

ए बबुआ
मेहरी के मइल छोड़ावत
लाज ना लागल तोहरा

ए बबुआ
बाबूजी के देह दबावत
काहे लाज लागत बा तोहरा।

बताव बबुआ बाबूजी से
बगावत काहे कइलऽ
दांत बाड़ऽ चिहरले
ना शरमइलऽ
जात बाड़ऽ अदालत
फाइल कांखे दबवले

कइसे रहबऽ सलामत
आपन मन के भइले
बताव बबुआ
बाबूजी से बगावत
काहे कइल ऽ
छन भर में सब कुछ
माटी कइलऽ ।

www.bhojpurisahityangan.com

पाती

‘पाती’ प्रेम के थाती हऽ
रखीहऽ बबुआ सम्हार के
एकर ते बीत गइल जमाना
बाकी अबहीं तक ले द्विवेदी जी
बांटत बानीं प्यार से
अपने तऽ खुद लिखते बानीं
लेखकन कवियन से भी
बार बार निहोरा कऽ के
लिखवावत बानीं बड़ दुलार से
शतक लगा के बाजी मार लिहलीं
बल्ला बड़ बरियार से
चिरंजीवी होखीं द्विवेदी जी
‘पाती’ सभकरा के भेजत रहीं
ईहे ईश्वर से प्रार्थना हमार बा
हरदम रउवा मुस्कात रहीं
भइल होखी कवनो चूक
पाती लिखे में हमरा से
बइठल जाई करे बतकही।

www.bhojpurisahityangan.com

रउआ सम्मान में

आज हमार मन के भाव
रोकला से रोकात नइखे
तीरसठ बसंत के अवसर पऽ
प्यार के कइसे करीं इज़हार
ई हमरा बुझात नइखे
युगल जोड़ी आबाद रहे
शतक लगावे के तैयारी में
जीवन में सुख शांति बनल रहे
मौज-मस्ती खूब होखे जिनगी के गलियारी में
चांद सितारा जइसन चमक बनल रहे
देखि के अन्हरिया झटपट बदल जाये उजियारी में
रउआ सभे के सम्मान में
मन हमार अखण्ड सौभाग्य के कामना करत बा
रउआ सभे के प्रसन्नता खातिर
दोस्त अयोध्या हाथ जोड़ विनती करत बा
हे परमपिता परमेश्वर!
युगल जोड़ी प ऽ किरपा बरसाईं
ई लोग के सुखी रखीं
इनकर जीवन से आधि-व्याधि भगाईं
प्रेम मुहब्बत रहे बनल जवन जवानी में
आजुओ उहे कायम रहे अस्सी के मर्दानी में।

www.bhojpurisahityangan.com

www.bhojpurisahityangan.com

प्रो. (डॉ.) अयोध्या प्रसाद उपाध्याय

जन्म तिथि : 24 सितम्बर 1949

शिक्षा : एम. ए. (हिन्दी), पी.एच-डी.।

सम्प्रति : सेवानिवृत्त प्राचार्य एवं अध्यक्ष स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा, (भोजपुर), बिहार।

अभिरुचि : हिन्दी और भोजपुरी की अनेक साहित्यिक मासिक पत्रिकाओं का पठन, साहित्यिक तथा सामाजिक गोष्ठियों एवं आयोजनों में सम्मिलित होना, अनेक समाचार पत्रों को पढ़ना, दूरदर्शन पर प्रेरक धारावाहिकों को देखना और यदा-कदा देशाटन एवं तीर्थाटन करना साथ ही संत महात्माओं के सान्निध्य में रहना।

प्रकाशन : हिंदी और भोजपुरी की विभिन्न साहित्यिक पत्रिकाओं में कहानियाँ और कविताएँ, यात्रा वृतांत, निबंध, संस्मरण और पुस्तक समीक्षाएँ।

कृतियाँ : ओ मेरी जिंदगी (काव्य संग्रह), श्रीगुरुज्ञानसुधा (काव्य संग्रह), आज जा रहा गाँव (काव्य संग्रह), भोजपुरी की व्यावसायिक शब्दावली का भाषावैज्ञानिक अध्ययन, बहूरानी (हिन्दी कहानी संग्रह), x-पोस्ट : सुलगते सवाल (हिन्दी कविता संग्रह)

स्थायी निवास : ग्राम+पत्रालय - मंगरावँ, कछवां, रोहतास।

संपर्क : 'साकेत', डी. एम. कोठी रोड, आरा (बिहार)।
मो. नंबरः 9470640432, 9546819656
ईमेल आईडी : ayodhyaupadhyay@gmail.com

ISBN 978-93-92703-41-6

सृजनलोक प्रकाशन, नई दिल्ली